RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

MT MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल   उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-15 ❖ मुंबई ❖ रविवार 03 से 09 अप्रैल 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

किसी भी **व्यक्ति की सहनशीलता** एक **खिंचे हुए धागे** की तरह होती है, एक **सीमा से अधिक खिंचे** जाने पर **उसका टूटना तय** है।

पेज 3 — 'सौ सोनार की और एक लोहार की', मसाला तैयार, हम धमाका करेंगे, ईडी रेड के बाद नाना पटोले का हमला

पेज 5 — नीतीश केंद्र में गए तो बिहार में क्या होगा:नया CM BJP से और डिप्टी CM JDU से हो सकता है, MLC और उपचुनाव के बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल संभव

पेज 7 — हिमाचल प्रदेश के रियाज़ मीर कास्टिंग डायरेक्टर से बने निर्देशक, सुमीन भट का म्यूज़िक वीडियो किया डायरेक्ट

पेज 8 — मोबाइल चोरी होने पर मिसिंग कंप्लेंट नहीं, FIR दर्ज होगी, मुंबई सीपी संजय पांडेय का नया फरमान

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का स्पष्टीकरण....

गृहमंत्री पर नाराज नहीं!

सहयोगियों पर है मेरा पूरा विश्वास

मुंबई । राज्य की महाविकास आघाड़ी सरकार परस्पर समन्वय से उत्तम काम कर रही है। फिर भी गृहमंत्री दिलीप वलसे-पाटील पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे नाराज हैं, ऐसी खबर मीडिया में आ रही थी। इस खबर का मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कल स्पष्ट शब्दों में खंडन किया। 'मेरा, मेरे सहयोगियों पर पूर्ण विश्वास है और वह उत्तम काम कर रहे हैं' ऐसा स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री ने इस विवाद को समाप्त कर दिया है।

विधिमंडल के बजट अधिवेशन में प्रतिपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने पेन ड्राइव प्रस्तुत कर गृह विभाग पर चर्चा के दौरान सरकार पर विभिन्न आरोप लगाए थे। विरोधियों के आरोपों का गृहमंत्री दिलीप वलसे-पाटील ने स्पष्ट उत्तर दिया था। इसके बावजूद गृहमंत्री ने देवेंद्र फडणवीस के आरोप का स्पष्ट उत्तर नहीं दिया इसलिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे गृहमंत्री पर नाराज हैं, ऐसी चर्चा विरोधियों ने पैदा की। बीच में यशवंतराव चव्हाण सेंटर में पत्रकारों से बोलते हुए दिलीप वलसे-पाटील ने इस संदर्भ में स्पष्टीकरण दिया था। गृह विभाग के चर्चा के दौरान उत्तर देने से मुख्यमंत्री मुझ पर नाराज नहीं थे, बल्कि मुख्यमंत्री ने उल्टे अभिनंदन किया। प्रत्येक की बोलने की अपनी शैली होती है। मेरे भाषण के बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने फोन करके मेरा अभिनंदन किया। ऐसा दिलीप वलसे पाटील ने स्पष्ट किया था, फिर भी विपक्षी, गृह मंत्रालय के खिलाफ 'एजेंडा' चला रहे है। बांद्रा में एक कार्यक्रम में मुंबई के पालक मंत्री असलम शेख व शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ को भेंट दी गई तलवार को उठाने को लेकर दो मंत्रियों के खिलाफ बांद्रा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। गुरुवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस मुद्दे पर गृहमंत्री के विरोध में कथित नाराजगी का मामला जोर-शोर से मीडिया में पैâला था।

एक-दूसरे को विश्वास में लेकर निर्णय इस पृष्ठभूमि पर गृहमंत्री दिलीप वलसे-पाटील ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात की, जिसके कारण नाराजगी की चर्चा को अधिक बल मिला। इस मुलाकात के बाद दिलीप वलसे-पाटील ने पुन: एक बार स्पष्टीकरण दिया, प्रशासनिक व विभागीय कामों के लिए नियमित मुख्यमंत्री से मुलाकात करता हूं। यह मुलाकात गुढी पाडवा के शुभ मुहूर्त पर पुलिस दल के हेल्पलाइन नंबर ११२ के उद्घाटन के संदर्भ में की। हमारे विभाग में कोई कमी होगी तो उसे सुधारने का प्रयत्न किया जाएगा। वास्तव में हम एक-दूसरे को विश्वास में लेकर निर्णय लेते हैं, इसलिए नाराजगी का सवाल ही नहीं उठता, ऐसा गृहमंत्री ने स्पष्ट किया। इन सभी की पृष्ठभूमि पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने स्पष्टीकरण दिया है कि ऐसी खबर गलत और बेबुनियाद है, मेरा मेरे सहयोगियों पर पूरा विश्वास है और वे अच्छा काम कर रहे हैं।

मोदी जी! कब करोगे महंगाई पर चर्चा?...

महाराष्ट्र कांग्रेस का पीएम से सवाल

मुंबई । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास महंगाई, गिरती अर्थव्यवस्था और बेरोजगारी समेत देश की ज्वलंत मुद्दों को संबोधित करने का समय नहीं है। जनता महंगाई से जूझ रही है, युवा बेरोजगारी से परेशान हैं, किसानों और मजदूरों का जीना मुहाल है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन समस्याओं को सुलझाने की जगह 'चाय पे चर्चा' और 'परीक्षा पे चर्चा' करने में मस्त हैं। ऐसे शब्दों में प्रधानमंत्री मोदी पर यह जोरदार हमला प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने किया है। उन्होंने मोदी से पूछा है कि वे आखिर देश में बढ़ती हुई बेतहाशा महंगाई पर कब चर्चा करेंगें? ऐसा सवाल भी उन्होंने पीएम मोदी से किया है। उन्होंने आगे कहा कि देश की जनता इस समय महंगाई की मार झेल रही है। ईंधन की बढ़ती कीमतों और महंगाई ने आम आदमी का जीना मुश्किल कर दिया है। पेट्रोल और डीजल के दाम में रोजाना इजाफा हो रहा है और अब यह १०० रुपए प्रति लीटर के पार हो चुका है, वहीं अब कमर्शियल गैस सिलिंडर में २५० रुपए का इजाफा हो गया है। महंगाई हर स्तर पर लोगों को अपनी चपेट में ले रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के पास इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर ध्यान देने का समय नहीं है लेकिन वे परीक्षा के लिए छात्रों का मार्गदर्शन करने के नाम पर परीक्षा देने के बारे में जरूर चर्चा कर रहे हैं, जबकि उन्हें देश में बढ़ती महंगाई और अन्य ज्वलंत मुद्दों पर इसी तरह की चर्चा करनी चाहिए थी।

महात्मा गांधी जैसी राष्ट्रीय हस्तियों को बदनाम करने की कोशिश कर रहा देश का नेतृत्व

शरद पवार का बड़ा हमला

पुणे: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (BJP) पर हमला बोला। शरद पवार ने आरोप लगाया कि समाज में कड़वाहट फैलाने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में देश को आगे ले जाना और सद्भाव बनाए रखना एक चुनौती बन गया है।

उन्होंने कहा कि पहले राजनीति लोगों को जोड़ती थी, लेकिन अब देश में उन्हें धर्म के आधार पर बांटने की कोशिश की जा रही है। शरद पवार ने कहा कि देश का नेतृत्व महात्मा गांधी जैसी राष्ट्रीय हस्तियों को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है।

एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को पुणे से करीब 230 किलोमीटर दूर सांगली में एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नेता शिवाजीराव नाइक का बीजेपी छोड़ने के बाद एनसीपी में वापस आने पर स्वागत किया। इस दौरान शरद पवार ने कहा कि शिवाजीराव जिला परिषद अध्यक्ष के रूप में सफल रहे। मैं एनसीपी में उनका फिर से स्वागत करता हूं। आइए उनकी विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए महाराष्ट्र की बेहतरी के लिए मिलकर काम करें।

देश में लोगों को धर्म के आधार पर बांटने का प्रयास: पवार

पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में नेतृत्व एक था, जिसने विकास के लिए या लोगों को एक साथ लाने के लिए काम किया। लेकिन आज, देश में लोगों को धर्म के आधार पर बांटने का प्रयास किया जा रहा है। महात्मा गांधी, मौलाना अबुल कलाम आजाद ने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी और इसे बनाने का काम किया। लेकिन वर्तमान में देश का नेतृत्व इन लोगों को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है।

कर्नाटक की बीजेपी सरकार पर कसा तंज

शरद पवार ने कहा कि बीजेपी शासित राज्य कर्नाटक में कुछ संगठनों ने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की दुकानों से सामान खरीदने के खिलाफ फतवा जारी किया है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि अगर राज्य के हाथ में मौजूद तत्व इस तरह की कटुता करने लगेंगे तो देश आगे कैसे बढ़ेगा? उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि हमारी सरकार लगातार प्रयासों से महाराष्ट्र राज्य की छवि बदलने का प्रयास कर रही है। मुझे आशा है कि आप हमेशा उसका समर्थन करेंगे।

नवाब मलिक ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा, मुंबई हाईकोर्ट के फैसले को दी चुनौती

महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नवाब मलिक ने मुंबई हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। दरअसल, ईडी द्वारा उनके खिलाफ की गई कार्रवाई से संबंधित याचिका को मुंबई हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नवाब मलिक 4 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में है। इससे पहले मुंबई में एक विशेष पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) कोर्ट ने कहा था कि गवाहों के बयानों के आधार पर प्रथम दृष्टया मलिक की मनी लॉन्ड्रिंग में संलिप्तता नजर आती है। विशेष न्यायाधीष आरएन रोकड़े ने अपने फैसले में मलिक को भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़े एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजते हुए यह टिप्पणी की थी। 62 वर्षीय मलिक को ईडी ने 23 फरवरी को गिरफ्तार किया था।

मुलाकात : द्विपक्षीय संबंधों में मिठास घोलेंगे मोदी और देउबा, पीएम के साथ अहम द्विपक्षीय वार्ता

नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा अपनी तीन दिवसीय भारत यात्रा पर शुक्रवार को भारत पहुंचे। हवाईअड्डे पर रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने उनकी अगवानी की। यात्रा के पहले दिन देउबा ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। जयशंकर के साथ बैठक में दोनों देशों ने सदियों पुराने द्विपक्षीय संबंधों में और मजबूती लाने पर बल दिया। इस बैठक में रविवार को होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ होने वाली द्विपक्षीय वार्ता की रूपरेखा तैयार की गई। रविवार को होने वाली इस वार्ता में दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में अहम समझौते होंगे और पिछली नेपाल सरकार के समय दोनों देशों के संबंध में आई कड़वाहट में मिठास आने की उम्मीद है। इस दौरान भारत की मदद से चल रही परियोजनाओं की समीक्षा भी होगी। अपने तीन

दिवसीय भारत यात्रा के दौरान देउबा अपने पूर्ववर्ती पीएम केपी शर्मा ओली के कार्यकाल के दौरान द्विपक्षीय रिश्ते में आई कड़वाहट को दूर करेंगे। गौरतलब है कि तब ओली ने भारतीय भूभाग पर दावा करने के साथ चीन से नजदीकियां बढ़ा कर भारत को नाराज कर दिया था। इससे पहले देउबा और उनकी पत्नी डॉक्टर आरजू देउबा के दिल्ली पहुंचने के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, एक विशेष दोस्त का हार्दिक स्वागत है। इस दौरे में देउबा रविवार को सुबह नौ बजे वाराणसी पहुंचेंगे। वहां कई मंदिरों में दर्शन करने के बाद दोपहर बाद दिल्ली लौटेंगे। दिल्ली से शाम सवा चार बजे काठमांडु के लिए रवाना हो जाएंगे। तीन साल बाद नेपाल के पीएम का भारत दौरा देउबा तीन साल में भारत की यात्रा करने वाले पहले नेपाली प्रधानमंत्री हैं। उनसे पहले मई 2019 में उस समय के नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली नरेंद्र मोदी के दूसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते समय भारत आए थे। उससे कुछ महीने पहले पीएम मोदी बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने काठमांडु गए थे। नड्डा से अहम मुलाकात दिल्ली पहुंचने के बाद देउबा ने भाजपा मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। इस दौरान नड्डा ने उन्हें पार्टी के कार्यक्रमों की जानकारी दी। वार्ता में दोनों दलों के युवाओं के बीच संवाद बढ़ाने पर सहमति बनी। भारत के दोस्त माने जाते हैं देउबा देउबा को भारत का दोस्त माना जाता है। ओली के हटने और देउबा के नेपाली संसद में विश्वासमत हासिल करने के तत्काल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी थी। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच 19 जुलाई, 2019 को फोन पर बात भी हुई थी। नवंबर 2021 में ग्लासगो में कॉप 26 बैठक से इतर दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। देउबा नेपाल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता है और इस पार्टी का भारत के साथ हमेशा अच्छा संबंध रहा है।

महाराष्ट्र: पुणे की देहु नगर पंचायत में मांसाहार पर पाबंदी, शुद्ध शाकाहारी बनी संत तुकाराम की जन्मस्थली

महराष्ट्र के पुणे जिले में संत तुकाराम की जन्मस्थली देहू में नगर पंचायत प्रशासन ने मांस और मछलियों की बिक्री पर पाबंदी लगा दी है। कच्चे एवं पके हुए मांस और मछली बेचने पर यह पाबंदी शुक्रवार को प्रभाव में आई। इसके साथ ही मंदिर परिसर के आसपास इंद्रायणी नदी में मछली पकड़ने पर भी रोक लगा दी गई है। इससे देहु शुद्ध शाकाहारी नगरी बन गई है। महाराष्ट्र की भक्ति परंपरा से जुड़े प्रसिद्ध संतों में एक तुकाराम का जन्म 17वीं सदी के प्रारंभ में इसी शहर में हुआ था और प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु यहां उनके मंदिर में पहुंचते हैं। देहू नगर पंचायत के मुख्य अधिकारी प्रशांत जाधव ने कहा कि 25 फरवरी को नगर पंचायत की पहली आमसभा बैठक हुई थी। इस बैठक में वारकारियों (भगवान विठ्ठल के भक्त) एवं स्थानीय निवासियों की मांग पर गौर करते हुए देहू शहर में मछलियों एवं मांस की बिक्री पर पाबंदी लगाने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया था। उन्होंने कहा कि मंदिरों का नगर होने के कारण यहां महज चंद दुकानों पर ही पहले मांसाहारी चीजें बिकती थीं, लेकिन वे भी अब बंद हैं। तुकाराम मंदिर न्यास के ट्रस्टी संजय मोरे ने कहा कि शहर में मछलियों और मांस की बिक्री पर पाबंदी लगाने की सभी पक्षों ने मांग की थी।

समझौते ने दिखाई राह

असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों के बीच मंगलवार को हुआ सीमा समझौता 50 साल पुराने विवाद को सुलझाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस समझौते के जरिए दोनों राज्यों ने 12 विवादित स्थलों में से छह को लेकर सहमति हासिल कर ली। अब इस तय फॉर्म्युले के मुताबिक सर्वे किए जाने के बाद सीमाओं का पुनर्निर्धारण होगा और फिर उस पर संसद की मंजूरी ली जाएगी। इन औपचारिकताओं में कुछ और महीने लगेंगे, लेकिन विवादों की वजह से दोनों राज्यों के बीच जिस तरह का तनावपूर्ण माहौल लंबे समय से बना हुआ था, इस समझौते ने उसे खत्म कर दिया है। हालांकि विवाद के बिंदु अभी बरकरार हैं। जानकारों के मुताबिक जो बचे हुए छह विवादित स्थल हैं, उन्हें सुलझाना थोड़ा मुश्किल है। जाहिर है, आगे की राह और चुनौतीपूर्ण साबित होने वाली है। लेकिन फिर भी इस समझौते ने अंतहीन से लगते विवादों को सुलझाने की राह दिखाई है। ध्यान रहे, नॉर्थ ईस्ट के चार राज्य- नगालैंड, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम- पहले असम का ही हिस्सा थे। अलग होने के समय से ही सीमावर्ती कुछ इलाकों को लेकर इनमें मतभेद रहे, जो कभी सही ढंग से सुलझाए नहीं जा सके। हालांकि सुलझाने के प्रयास जरूर किए गए समय-समय पर।

असम-मेघालय विवाद को ही लें तो 1985 में ही तत्कालीन मुख्यमंत्री हितेश्वर सैकिया और कैप्टन डबल्यू ए संगमा की पहल पर पूर्व मुख्य न्यायाधीश वाय वी चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में समिति गठित की गई थी। ऐसे और भी प्रयास हुए, लेकिन ये तमाम प्रयास नतीजा देने में नाकाम रहे। पिछले साल जुलाई से शुरू किए गए ताजा प्रयास अगर कामयाब हो रहे हैं तो उसके पीछे कई फैक्टर हैं। इसके लिए बनाई गई क्षेत्रीय कमिटी ने संबंधित इलाकों का गहन दौरा कर स्थानीय निवासियों से बातचीत के जरिए समस्या की जटिलता को समझा और उन्हें विश्वास में लिया।

दूसरे, एक ही बार में पूरी समस्या को हल करने के बजाय इसे टुकड़ों में बांटकर धीरे-धीरे सहमति बनाते और उसे समझौते का रूप देते हुए आगे बढ़ने की राह अपनाई गई। तीसरी बात यह कि दोनों राज्यों के राजनीतिक नेतृत्व का संपूर्ण समर्थन इन प्रयासों को हर कदम पर उपलब्ध रहा। केंद्र सरकार की ओर से दी गई प्रेरणा भी इस पूरी प्रक्रिया के दौरान उत्प्रेरक का काम करती रही।

बहरहाल, इस महत्वपूर्ण सफलता के लिए केंद्र और राज्य सरकारें निस्संदेह बधाई की हकदार हैं। लेकिन यह भी याद रखना जरूरी है कि ऐसे समझौतों की असल परीक्षा बाद के वर्षों में इन पर अमल के दौरान होती है। सीमा के दोनों तरफ दोनों राज्यों में यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि स्थानीय आबादी में इस समझौते को लेकर किसी तरह की गलफहमी जड़ न जमाए और इसके प्रति स्वीकार्यता का भाव बना रहे।

चीन का कर्ज, जरूरी सामानों की किल्लत, मुश्किल में श्रीलंका का साथ दे रहा भारत

किरीट ए. चावड़ा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने तीन दिवसीय श्रीलंका यात्रा के दौरान बिम्सटेक देशों के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भी शिरकत की, लेकिन यह दौरा द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से भी खासा महत्वपूर्ण रहा। विदेश मंत्री ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के साथ बातचीत में उन्हें आश्वस्त किया कि भारत उनके देश को आर्थिक मदद देना जारी रखेगा। ध्यान रहे, श्रीलंका इन दिनों अभूतपूर्व आर्थिक संकट से गुजर रहा है। वहां जरूरी वस्तुओं की जबर्दस्त किल्लत हो गई है, खाद्य पदार्थों के दाम आसमान छू रहे हैं। पेट्रोल-डीजल की कमी का आलम यह है कि पेट्रोल पंपों पर सुरक्षाकर्मी तैनात करने पड़ रहे हैं। विदेशी मुद्रा की कमी के चलते सरकार के लिए पेट्रोल और खाद्य पदार्थों के आयात का भुगतान करना मुश्किल हो गया है। इन सबके पीछे एक बड़ी वजह तो बेशक कोरोना महामारी ही रही। पर्यटन यहां आमदनी का एक बड़ा स्रोत है और महामारी के इस दौर में पर्यटकों का आना लगभग ठप रहा। लेकिन थोड़ी बारीकी से देखें तो समस्या की पृष्ठभूमि महामारी से काफी पहले ही तैयार हो गई थी। 2005 से 2015 के बीच श्रीलंका ने विदेशी कर्ज लेकर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास की नीति अपनाई। इस दौरान खास तौर पर चीन से बड़े पैमाने पर कर्ज लिए गए और हंबनटोटा मेगा पोर्ट सिटी जैसी बड़ी और खर्चीली परियोजनाएं शुरू की गईं मगर ये परियोजनाएं उम्मीद के मुताबिक रिटर्न नहीं दे पाईं। नतीजा यह कि श्रीलंका कर्ज के जाल में बुरी तरह फंस गया। श्रीलंका पर चीन का ही करीब 300 करोड़ डॉलर का कर्ज है। ऐसी स्थिति में कोरोना महामारी का कठिन दौर आ गया। रही-सही कसर यूक्रेन युद्ध ने पूरी कर दी। दिलचस्प बात यह कि चीन भले ही श्रीलंका को तरह-तरह के सब्जबाग दिखाता रहा हो, मौजूदा संकट के दौर में मदद भारत ही कर रहा है। कई रीन्यूएबल एनर्जी प्रॉजेक्ट्स जो पहले चीन को दिए गए थे, उन्हें अब भारत आगे बढ़ा रहा है। पिछले कुछ महीनों में ही भारत उसे करीब 240 करोड़ डॉलर की वित्तीय मदद मुहैया करा चुका है। भारत की पारंपरिक नीति और दोनों देशों के पुराने करीबी रिश्तों के मद्देनजर संकट काल में इस पड़ोसी देश की हर संभव मदद करना उचित भी है।

लेकिन ध्यान में रखने की बात यह है कि इन दिनों श्रीलंका में आंतरिक असंतोष चरम पर है। लोग सरकार की नीतियों से और कोरोना काल की चुनौतियों से निपटने के उसके अंदाज से खासे नाराज हैं। खासकर राजपक्षे परिवार इन असंतुष्ट तत्वों के निशाने पर है। ऐसे में इस बात का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है कि भारत की मदद का वहां कोई और मतलब न निकाला जाने लगे। यह बात सबके लिए और हर स्तर पर स्पष्ट रहनी चाहिए कि भारत श्रीलंका के लोगों की मदद कर रहा है, राजपक्षे परिवार की नहीं।

गणेश पाण्डेय

बंगाल में कैसे रुकेगी राजनीतिक हिंसा, ममता खुद हुईं शिकार पर नहीं रोक पाई ये सिलसिला

कोलकाता में इन दिनों अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के ऊपर है, लेकिन ममता बनर्जी इससे आधे तापमान वाली जगह दार्जिलिंग के दौरे पर हैं। कोलकाता से सवा छह सौ किलोमीटर दूर हिमालय की धवल चोटियों के बीच बसे इस पर्वतीय इलाके में उनका प्रवास खुशनुमा ही रहता, अगर पश्चिम बंगाल की विधानसभा में 28 मार्च को विधायकों के बीच मारपीट न हुई होती। इस हिंसा में उनके एक विधायक की नाक टूटी है, तो दूसरे कुछ विधायकों को घायल होकर अस्पताल जाना पड़ा है। इस घटना ने उनके विरोधियों को उन पर हमले का एक और अवसर दे दिया है। कानून व्यवस्था की हालत को लेकर उनकी आलोचना की जा रही है। राज्यपाल जगदीप धनखड़ भी न केवल सरकार के बड़े अधिकारियों को राजभवन तलब कर रहे हैं, बल्कि मीडिया के सामने मुख्यमंत्री के खिलाफ सार्वजनिक बयान भी दे रहे हैं। टीएमसी नेताओं ने गृहमंत्री अमित शाह से हाल ही में मिलकर राज्यपाल धनखड़ को हटाने की मांग भी की है।

एकजुटता का प्रयास

मौजूदा वक्त के गैर-बीजेपी नेताओं में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित ममता बनर्जी इन कारणों से विवादों के घेरे में हैं। शायद इसी वजह से उन्होंने गैर-बीजेपी शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और विपक्षी नेताओं को पत्र लिखकर बीजेपी के खिलाफ एकजुट हो जाने की अपील की है। वह समझती हैं कि बीजेपी का मुकाबला अकेले दम पर नहीं किया जा सकता।

लेकिन, क्या शांति निकेतन से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर बसे रामपुर हाट के बोगटुई गांव में हालिया हुई हिंसा का जवाब इस सियासी बयानबाजी से दिया जा सकता है? शायद, इसका जवाब ना में है। यह भी सच है कि बीरभूम जिले में हुई हिंसा में जान गंवाने वाले लोग और उनकी मौत के जिम्मेवार दोनों पक्ष ममता बनर्जी की ही पार्टी तृणमूल कांग्रेस से ताल्लुक रखते हैं। उन्हीं के आदेश पर पुलिस ने टीएमसी के वहां के प्रखंड अध्यक्ष को गिरफ्तार भी किया है। जिस भादू शेख की हत्या के बाद बोगटुई गांव में 9 लोगों को जिंदा जला दिया गया, वह भी टीएमसी के ही नेता थे।

हालांकि, इस नरसंहार के पीछे बंगाल में कई दशकों से जारी व्यावसायिक सिंडिकेट और आपसी वर्चस्व की लड़ाई की बातें सामने आ रही हैं, लेकिन राज्य में सियासी हिंसा की यह न कोई पहली घटना है और न इसके आखिरी होने की कोई उम्मीद दिखती है। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा की कहानी दशकों पुरानी है। इसमें हजारों लोगों की जानें गई हैं। पहले नक्सल आंदोलन के दौरान। उसके बाद सीपीएम-कांग्रेस, टीएमसी-बीजेपी और टीएमसी-सीपीएम कार्यकर्ताओं के बीच हो रही हिंसा की घटनाएं भद्रलोक माने जाने वाले बंगाल में चल रही सियासी हिंसा की गवाही देती रही हैं। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी खुद इसकी भुक्तभोगी रही हैं। नब्बे के दशक में उनके खिलाफ हुई ऐसी ही हिंसा के बाद उनका राजनीतिक कद बढ़ा और वह लगातार मजबूत होती चली गईं। साल 1993 में कलकत्ता में राइटर्स मार्च के दौरान पुलिस ने 38 साल की युवा ममता बनर्जी के ऊपर जानलेवा हमला किया। इस कारण उन्हें कई सप्ताह तक अस्पताल में रहना पड़ा और उनके तेरह कार्यकर्ताओं की पुलिस फायरिंग में मौत हो गई। इसकी जांच के लिए बने जस्टिस सुकांता चटर्जी आयोग के समक्ष कई पुलिस अधिकारियों ने माना कि उन्हें ममता बनर्जी पर हमले के आदेश दिए गए थे। तब वहां वाम मोर्चे की सरकार थी। ज्योति बसु पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री हुआ करते थे और ममता बनर्जी युवा कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष। कहते हैं कि तब उन्होंने प्रण लिया कि वह राज्य सचिवालय राइटर्स बिल्डिंग में अब तभी कदम रखेंगी, जब खुद मुख्यमंत्री बन जाएं। इसके बाद साल 2011 में मुख्यमंत्री बनने के बाद ही वह राइटर्स बिल्डिंग में आईं।

इस घटना से पहले भी ममता पर उन्हीं के घर के पास जानलेवा हमला किया गया था। ये राजनीतिक हिंसा की कुछ वैसी घटनाएं हैं, जिनका जिक्र बंगाल के संदर्भ में अक्सर किया जाता है। पश्चिम बंगाल की विधानसभा में एक सवाल के जवाब में तत्कालीन गृहमंत्री ने बताया था कि साल 1977 से 2007 के बीच राज्य में हुई राजनीतिक हिंसा की घटनाओं में कुल 28 हजार लोग मारे गए। इस दौरान वहां वाम मोर्चा की सरकार थी और ज्योति बसु और बुद्धदेव भट्टाचार्य सरीखे कद्दावर नेता मुख्यमंत्री रहे थे। ये सबलोग पढ़े-लिखे कुलीन राजनेता थे। फिर भी वहां सियासी हिंसा पर लगाम क्यों नहीं लग सकी? इसका मुकम्मल जवाब नहीं मिल पाता। यह दौर आज भी जारी है। बीरभूम जिले की हिंसा ने बस इसे फिर से चर्चा में ला दिया है। पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव के दौरान हुई हिंसा से भी लोग वाकिफ हैं, जब नंदीग्राम में ममता बनर्जी पर ही हमला हो गया था। फ्रैक्चर के कारण उन्हें एक पैर में प्लास्टर कराना पड़ा। यह अलग बात है कि प्लास्टर लगे उसी पैर के साथ वील चेयर पर चुनाव प्रचार करतीं ममता बनर्जी की वही तस्वीरें वायरल होती रहीं और चुनाव में उन्हें इसका फायदा भी मिला। सिपाहियों का हंगामा

जहां तक विधानसभा के अंदर हिंसा का सवाल है, तो बंगाल के लिए यह भी कोई नई बात नहीं है। साल 1969 में अपने एक साथी की हत्या से गुस्साए सैकड़ों सिपाहियों ने पश्चिम बंगाल विधानसभा की कार्यवाही के दौरान सदन के अंदर पहुंच कर इस कदर हंगामा मचाया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री अजय मुखर्जी और उप-मुख्यमंत्री ज्योति बसु तक को अपने कक्षों में बंद होना पड़ा था। बहरहाल, बिजोन सेतु नरसंहार (1982), नानूर नरसंहार (2000), बीरभूम नरसंहार (2001), नंदीग्राम हिंसा (2007) के अलावा बारानगर-केशपुर, सिनबारी, कलिम्पोंग, छोटो अंगरिया, गोरवेरा, मोरचीझापी जैसे दर्जनों नरसंहारों का गवाह रहे पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा की परंपरा पर ब्रेक लगाना आज की सबसे बड़ी चुनौती है।

एलन मस्क के 40 सैटेलाइट चालू होने से पहले ही गिरे, अंतरिक्ष में फैलता जा रहा है कबाड़

भूपेन्द्र पटेल

एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स के दर्जनों सैटलाइट पिछले दिनों अंतरिक्ष में पके आम की तरह टपक गए। कुछ तो ऐसे रहे, जो अंतरिक्ष में पहले से मौजूद स्पेस स्टेशनों से टकराते-टकराते बचे। दुनिया के कई वैज्ञानिकों को मस्क के सैटलाइटों की क्वॉलिटी पर शक है तो स्पेस एक्स का कहना है कि ये सैटलाइट जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म यानी भू-चुंबकीय तूफान में तबाह हुए।

तीन फरवरी को मस्क की कंपनी स्पेस एक्स ने फाल्कन 9 रॉकेट से 49 स्टारलिंक सैटलाइटों को पृथ्वी से लगभग 210 किलोमीटर ऊपर उनकी तय कक्षा में फिक्स किया था। लेकिन 49 में से 40 उपग्रह चालू होने से पहले ही अपनी कक्षा से गिर गए। और तो और, चीनी प्रशासन ने दावा किया कि ईलॉन मस्क के सैटलाइट्स की उनके स्पेस स्टेशन तियांगोंग से भी टक्कर होते-होते बची। पहली बार यह टक्कर 1 जुलाई और दूसरी बार 21 अक्टूबर 2021 को होने वाली थी। तब अंतरिक्ष में कोई जियोमैग्नेटिक तूफान भी नहीं था। बता दें कि मस्क का भेजा गया एक-एक सैटलाइट 260 किलो का था। स्पेस एक्स ने इनके गिरने का दोष जियोमैग्नेटिक तूफान पर तो मढ़ दिया, मगर इसकी कोई सफाई नहीं दी कि इसकी वजह से उसने अंतरिक्ष में जो साढ़े दस हजार किलो का कूड़ा तैयार किया है, वह कैसे साफ होगा।

अंतरिक्ष में पृथ्वी की कक्षा में जनवरी 2021 तक लगभग 6,542 सैटलाइट मौजूद हैं। इनमें से 3,372 काम कर रहे हैं और 3,170 सैटलाइट बेकार हो चुके हैं। काम करने वाले सैटलाइटों में एलन मस्क के 2000 सैटलाइट हैं, और आने वाले सालों में दस हजार सैटलाइट वह और फिक्स करने जा रहे हैं। इसकी अनुमति तो वह अमेरिकी प्रशासन से ले ही आए हैं, साथ में 30 हजार और सैटलाइट भेजने की अर्जी भी लगे हाथ लगा आए हैं। दावा है कि ये सैटलाइट दुनिया के कोने-कोने तक इंटरनेट की वह स्पीड देंगे, जो दुनिया वालों ने अभी तक देखी नहीं है। मस्क की इस महत्वाकांक्षी योजना पर अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का कहना है कि इतने सारे सैटलाइटों को पृथ्वी की निचली कक्षा में तैनात किया गया तो विज्ञान और मानव अंतरिक्ष यान मिशन तो प्रभावित होंगे ही, इसके अलावा वहां पर इतनी बड़ी मात्रा में सैटलाइट की तैनाती हुई तो आने वाले दिनों में अंतरिक्ष में टक्कर होने की संभावना कई गुना बढ़ जाएगी।

अंतरिक्ष में लगभग सारे देश ही कूड़ा फैला रहे हैं। पिछले दिनों चीन की एक सैटलाइट रूसी सैटलाइट के मलबे से टकराने से बाल-बाल बची थी। 2016 में अमेरिकी स्ट्रैटिजिक कमान के निकट अंतरिक्ष में करीब 18 हजार चीजों का मलबा मिला था, जिनमें सैकड़ों की संख्या में कृत्रिम उपग्रह शामिल थे। छोटे-छोटे टुकड़ों की बात करें तो 2013 की एक स्टडी के मुताबिक अंतरिक्ष में एक से 10 सेंटीमीटर के आकार के मलबों की संख्या 7 लाख तो 10 सेंटीमीटर से बड़े मलबे की संख्या 30 हजार के करीब है। इस सारी उठापटक के जिम्मेदार अमेरिका, चीन और रूस अभी तक इसे लेकर गंभीर नहीं हैं। बता दें कि सबसे ज्यादा मलबा इन्हीं तीनों का है।

भारत अंतरिक्ष के मलबे को मल्टी ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग रडार से ट्रैक करता है। अमेरिका के पास ऐसे कई रडार हैं और वे इनकी सार्वजनिक सूचना साझा करते हैं। अंतरिक्ष में बिखरा यह कचरा हमारे वायुमंडल के लिए भी काफी खतरनाक है। यह मलबा अंतरिक्ष में हमारी समूची संचार व्यवस्था को ठप करने में क्षमता रखता है। फिलहाल अंतरिक्ष में 28 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से लगभग 7,500 टन मलबा चक्कर काट रहा है। इसमें डेड स्पेस क्राफ्ट, रॉकेट, उपग्रह प्रक्षेपण यानों के अवशेष और अन्य निष्क्रिय इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अवशेष शामिल हैं।

यूरोपीय स्पेस एजेंसी चेतावनी दे चुकी हैं कि इस मामले में कोई देश अकेला कुछ भी नहीं कर सकता। कई देशों ने अंतरिक्ष कचरे के निपटान के लिए एक आउटर स्पेस समझौता कर रखा है, जिसमें अभी मलबे को शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में ईलॉन मस्क के कुल 42 हजार स्टारलिंक सैटलाइट आने वाले दिनों में अंतरिक्ष का क्या हाल करने जा रहे हैं, यह अनुमान लगाना कोई मुश्किल काम नहीं है।

महाराष्ट्र में हीट वेव से पहली मौत, गर्मी बढ़ने की आशंका, प्रशासन की नागरिकों से धूप में न निकलने की अपील

औरंगाबाद: महाराष्ट्र में हीट वेव की वजह से मराठवाड़ा के सभी जिलों में तापमान बढ़ा हुआ है। औरंगाबाद समेत जालना, परभणी, नांदेड़, लातूर, बीड, उस्मानाबाद, हिंगोली, जिले में तापमान चालीस डिग्री के पार पहुंच गया है। आगामी कुछ दिनों तक इसी प्रकार गर्मी का प्रकोप नागरिकों को झेलना पड़ सकता है। मौसम विभाग के आंकलन के मुताबिक तामपान के और भी बढ़ने की आशंका है। मार्च के महीने में भी औरंगाबाद में हीट वेव(H e a t Wave) का प्रकोप देखा गया था। तब सुबह के समय का तापमान 40 डिग्री तक पहुंच रहा था। अब मार्च के बाद अप्रैल की शुरुआत में भी दोबारा शहर में तापमान 41 से 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। राजस्थान और गुजरात की तरफ से आने वाली अतिशुष्क हवाओं की वजह से राज्य में हीट वेव का कहर जारी है। आगामी 2 अप्रैल तक इसी प्रकार से गर्मी के प्रकोप से नागरिकों को परेशान होना पड़ सकता है। उसके बाद भी कुछ दिनों तक गर्मी में से राहत मिलने के आसार नहीं है। लिहाजा नागरिकों से सतर्कता बरतने की अपील की गई है। दोपहर के समय में घर से बाहर निकलने से बचने का आवाहन किया गया है। वहीं किसानों से जानवरों को छांव में बांधने के लिए कहा गया है।

गर्मी से उस्मानाबाद में किसान की मौत

महाराष्ट्र के उस्मानाबाद जिले में गर्मी के प्रकोप की वजह से इस साल पहली मौत की घटना सामने आई है। गुरुवार को जिले के लिंबराज सुकाले(50) नामक किसान की मौत हुई है। खेत से काम करके लौटने के बाद प्यास लगने पर उन्होंने तुरंत पानी पी लिया। जिसके जिसके बाद उनकी तबियत बिगड़ने लगी। पड़ोसियों की मदद से आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आपको बता दें कि आने वाले 3 दिनों तक मराठवाड़ा में हीट वेव का प्रकोप जारी रहेगा। ऐसे में किसान और अन्य नागरिक धूप में बाहर जाने से बचें और अपनी तबीयत का ध्यान रखें। स्थानीय प्रशासन की तरफ से इस प्रकार का आवाहन किया गया है।

महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और विदर्भ के अलावा मुंबई शहर में भी आने वाले दिनों में गर्मी बढ़ने की आशंका है। मौसम विभाग के मुताबिक अधिकतम तापमान में आने वाले दिनों में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। फिलहाल मुंबई का अधिकतम तामपान 33 डिग्री सेल्सियस है।

हिंगोली में हीट वेव मरीजों के लिए अलग कक्ष

मार्च की शुरुआत से ही महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में भी तापमान आंखें दिखा रहा है। हीट वेव की वजह से शरीर में तनाव आ सकता है और व्यक्ति की मौत भी हो सकती है। ऐसे में गर्मी के शिकार मरीजों के लिए जिले के सरकारी अस्पताल में अलग से कमरा बनाया गया है। इससे संबंधित सभी दवाइयां उपलब्ध करवाई गई हैं। पांच बेड के इस कमरे में कूलर की भी व्यवस्था की गई है। हिंगोली में तापमान 40 डिग्री के पास पहुंच चुका है। दोपहर 12 बजे ले आसपास की तीव्रता काफी होती है। मई महीने में तापमान के 43 से 44 डिग्री तक जाने के आसार हैं।

मुंबई में ओमिक्रॉन या कोई नया वेरिएंट? BMC ने जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजे 300 सैंपल

मुंबई: विदेशों में कोरोना के नए वेरिएंट का प्रकोप है, जबकि यहां जून में चौथी लहर आने की आशंका विशेषज्ञों ने जताई है। इसी बीच बीएमसी 11वीं जीनोम सिक्वेंसिंग कर रही है, जिसके तहत 300 से अधिक कोविड पेशंट्स के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। दो-तीन दिनों में रिपोर्ट आते ही स्पष्ट हो जाएगा कि मुंबई में फिलहाल ओमिक्रॉन है, या फिर कोई नया वेरिएंट भी आया है। बीएमसी के अनुसार तीसरी लहर में सबसे ज्यादा जीनोम सिक्वेंसिंग की गई। 9वीं जीनोम सिक्वेंसिंग रिपोर्ट में 95 फीसद सैंपल में ओमिक्रॉन वेरिएंट की पुष्टि हुई, जबकि डेल्टा वेरिएंट 5 फीसद मिला। बीते माह 10वीं जीनोम सिक्वेंसिंग रिपोर्ट में डेल्टा गायब हो गया था, 237 सैंपल में से सभी मामले कोरोना बी.ए-2 ओमिक्रॉन वेरिएंट के निकले। विदेशों में इसी वेरिएंट का म्यूटेशन संक्रमण बढ़ने से बीएमसी अलर्ट मोड में है। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने बताया कि 11वीं जीनोम सिक्वेंसिंग रिपोर्ट इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे पता चल सकेगा कि मौजूदा वेरिएंट में कोई नया म्यूटेशन हुआ है अथवा नहीं? सटीक रणनीति से टली तीसरी लहर काकानी के अनुसार तीसरी लहर मुंबईकरों पर इसलिए हावी नहीं हो पाई, क्योंकि अधिकांश लोगों का वैक्सीनेशन हो चुका है। इसके अलावा बीएमसी की टेस्टिंग, ट्रेसिंग, ट्रैकिंग और ट्रीटमेंट वाली रणनीति बेहद कारगर रही। लोगों ने भी कोविड नियमों का सख्ती से पालन किया। उन्होंने बताया कि जीनोम सिक्वेंसिंग से जांच आसान हो गई है, आठवीं जीनोम सिक्वेंसिंग में 280 कोविड सैंपल भेजे गए, जिनमें 248 ओमिक्रॉन वेरिएंट, 21 डेल्टा डेरिवेटिव और 11 डेल्टा वेरियंट संक्रमित थे। वहीं, सातवीं जीनोम सिक्वेंसिंग रिपोर्ट में 282 सैंपल में से 156 में ओमिक्रॉन वेरिएंट मिला।

कश्मीरी पंडितों के पलायन के बारे में झूठ फैलाया जा रहा, स्क्रीनिंग की इजाजत देकर देश का माहौल बिगाड़ रही बीजेपी- शरद पवार

दिल्ली/मुंबई: कश्मीरी पंडितों के पलायन के विषय पर बनी 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म को लेकर मुंबई(Mumbai) से लेकर दिल्ली तक सियासत गर्म है। एक तरफ जहां बीजेपी(B J P) इस फिल्म को बीजेपी शासित राज्यों में टैक्स फ्री कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ विपक्ष इस फिल्म की विरोध में जुटा हुआ है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल(Arvind Kejriwal) समेत उनकी पार्टी 'आप' और बीजेपी के बीच जुबानी जंग अपने चरम पर है। बीजेपी से अलग सोच रखने वाले ज्यादातर राजनीतिक दलों ने इस फिल्म का विरोध किया है। अब इस फेहरिस्त में एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार(S h a r a d Pawar) भी शामिल हो गए हैं। इस फिल्म पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडितों के पलायन के बारे में देश भर में झूठ फैलाया जा रहा है। झूठ की वजह से देश का माहौल जहरीला बनाने की कोशिशें शुरू हैं। दिल्ली में अपनी पार्टी के एक कार्यक्रम में पवार ने कहा कि इस प्रकार की फिल्म को स्क्रीनिंग के लिए इजाजत नहीं देनी चाहिए थी। इसके उलट इस मूवी को टैक्स में छूट दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को देश को एकजुट रखने के प्रति जिम्मेदारी निभानी चाहिए। वही जनता से इस फिल्म को देखने की अपील कर रहे हैं। पवार यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा यह फिल्म लोगों को भड़काने का काम करती है। जिसे बीजेपी की तरफ से समर्थन दिया जा रहा है।

कांग्रेस ने भी किया था विरोध

द कश्मीर फाइल्स का विरोध कांग्रेस पार्टी भी कर चुकी है। बीजेपी पर हमला बोलते हुए कांग्रेसी नेता रणदीप सुरजेवाला ने मोदी सरकार पर यह आरोप लगाया था कि इस फिल्म के जरिए आवाम के बीच नफरत फैलाई जा रही है। वहीं शरद पवार ने कहा कि यह बात सत्य है कि कश्मीरी पंडितों को घाटी से भागना पड़ा था लेकिन मुसलमानों को भी इसी प्रकार से प्रताड़ित किया गया था इतनी परवाह है तो पुनर्वसन करवाए बीजेपी शरद पवार ने बीजेपी को घेरते हुए कहा कि अगर वाकई में नरेंद्र मोदी सरकार को कश्मीरी पंडितों की फिक्र है तो उन्हें उनके पुनर्वसन के लिए कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ लोगों के दिल में नफरत और गुस्सा भड़काने के सिर्फ देश का माहौल खराब होगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी संगठन कश्मीरी पंडितों और मुसलमानों पर हमले के लिए जिम्मेदार थे। शरद पवार की यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बीजेपी के प्रति एनसीपी के नरम रुख को लेकर अपनी नाराजगी जताई थी।

ऐसे हुआ था पलायन

बीजेपी पर निशाना साधते हुए शरद पवार ने कहा कि जब कश्मीरी पंडितों का पलायन हुआ तब देश में वीपी सिंह की सरकार थी, जिन्हें बीजेपी का समर्थन प्राप्त था। उस समय मुफ्ती मोहम्मद सईद गृहमंत्री थे और जगमोहन जम्मू कश्मीर के राज्यापाल थे। जिन्होंने बाद में बीजेपी के टिकट पर दिल्ली से लोकसभा का चुनाव लड़ा था। पवार ने कहा कि जम्मू कश्मीर के तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला ने जगमोहन के साथ अपने मतभेदों की वजह से इस्तीफा दे दिया था। उस समय राज्यपाल महोदय ने कश्मीरी पंडितों को घाटी से पलायन में मदद की थी।

'सौ सोनार की और एक लोहार की', मसाला तैयार, हम धमाका करेंगे, ईडी रेड के बाद नाना पटोले का हमला

- केंद्र सरकार को महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले का जवाब
- पटोले ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि एक सोनार की और सौ लोहार की
- पटोले के वकील सतीश उके के घर पर ईडी की छापेमारी
- तकरीबन पांच घंटे तक सतीश उके के घर पर ईडी के रेड चली

मुंबई: महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले के वकील सतीश उके के घर पर गुरुवार की सुबह प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापेमारी की। तकरीबन 5 घंटे तक चली इस छापेमारी की कार्रवाई में सतीश उके और उनके भाई प्रदीप उके को ईडी(E D) ने अपनी हिरासत में लिया है। इस मुद्दे पर अब पटोले ने आक्रामक भूमिका अपनाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सौ सोनार की और एक लोहार की। हमारे पास मसाला तैयार है, हम भी धमाका करेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी(BJP) महाविकास अघाड़ी के खिलाफ जो साजिशें रच रही है उसका जवाब दिया जाएगा। पटोले ने ट्वीट करते हुए लिखा है कि मोदी की राष्ट्रविरोधी और समाजविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाने वालों की जुबान पर ताला लगाने का प्रयास केंद्र सरकार कर रही है। देश को बचाने के लिए हम आखिर तक लड़ते रहेंगे।

देश में तानाशाही ला रही है बीजेपी

प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी से नाराज नाना पटोले ने कहा कि यह एक तरह का अघोषित आपातकाल है। इसका विरोध निश्चित तौर पर किया जाएगा। बीजेपी देश में तानाशाही लाने की कोशिशों में जुटी है। बीजेपी और मोदी के खिलाफ आवाज उठाने वालों पर ईडी की रेड डाली जा रही है। हम भी केंद्रीय जांच एजेंसियों के खिलाफ रणनीति बनाएंगे। रेड डलवाकर बीजेपी भले ही अपनी पीठ थपथपा रही हो लेकिन लोकतंत्र में जनता ही सबसे बड़ी होती है। यह बीजेपी को समझना होगा, अब जनता ही उन्हें सबक सिखाएगी।

मजाक बन गई है ईडी की रेड

नाना पटोले के वकील पर ईडी की छापेमारी के मुद्दे पर शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा है कि अब प्रवर्तन निदेशालय की रेड एक मजाक का विषय बन गई है। यदि पटोले पर भी ईडी की कार्रवाई हुई है तो इसमें कोई हैरानी की बात नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में अगर मुझ पर भी ईडी की छापेमारी होती है तो मैं उनका स्वागत करूंगा। क्योंकि अगर मैंने कुछ गलत किया ही नहीं है तो मुझे किस बात का डर।

अपने ही मंत्रियों से खफा कांग्रेसी MLA, सोनिया को लिखा खत, सरकार में नहीं होता काम

मुंबई: महाराष्ट्र कांग्रेस में असंतोष उभरकर सामने आ गया है। कांग्रेस के 25 विधायकों ने राज्य की महा विकास आघाडी सरकार और सरकार में शामिल मंत्रियों के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने आघाडी सरकार में कांग्रेस की उपेक्षा की शिकायत की है। इस बारे में विस्तार से सब बताने के लिए सोनिया से समय भी मांगा है।

विधानसभा में कांग्रेस के 44 विधायक हैं। इनमें से 12 मंत्री हैं। नाना पटोले विधायक होने के साथ-साथ महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भी हैं। पृथ्वीराज चव्हाण जी-23 में गिने जाते हैं। इन 14 के अलावा 30 विधायक हैं। उनमें से 25 विधायकों ने नाराजगी जताई है। कांग्रेस के लिए यह खतरे का संकेत माना जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, सोनिया गांधी को पत्र विधायक संग्राम थोपटे के लैटरहेड पर लिखा गया है। थोपटे पुणे की भोर विधानसभा सीट से लगातार तीसरी बार विधायक चुनकर आए हैं। वह मंत्री पद की चाहत रखते थे, लेकिन ठाकरे सरकार में कांग्रेस ने उन्हें मंत्री नहीं बनाया। जबसे नाना पटोले ने विधानसभा अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया है, उनका नाम इस पद के लिए चल रहा है। खबर है कि कांग्रेस के नाराज विधायक 3 और 4 अप्रैल को दिल्ली जाने का प्रोग्राम बना रहे हैं। इस दौरान दिल्ली में कांग्रेस का एक बड़ा प्रशिक्षण शिविर लगेगा। वे वहां सोनिया गांधी से मिलने की कोशिश भी करेंगे। पिछले दिनों महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभारी एच.के. पाटील के साथ हुई समीक्षा बैठक में भी विधायकों ने आघाडी सरकार के कामकाज और कांग्रेसी मंत्रियों के रवैये को लेकर शिकायत की थी। हालांकि महाराष्ट्र कांग्रेस की गुटबाजी और मंत्रियों की उदासीनता को दूर करने में पाटील भी पूरी तरह नाकाम रहे हैं।

विधायकों का दर्द, कोई नहीं देता ध्यान

कांग्रेस विधायकों का आरोप है कि महा विकास आघाडी सरकार में उनके विधानसभा क्षेत्रों की अनदेखी की जा रही है। न तो उनके क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए फंड दिया जा रहा है और न ही मंत्री उनकी मांगों पर गौर कर रहे हैं। इन विधायकों की नाराजगी शिवसेना और एनसीपी ही नहीं, कांग्रेस के मंत्रियों से भी है। विधायकों का कहना है कि कांग्रेस विधायक दल के नेता बालासाहेब थोरात हों या पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण या कांग्रेस के अन्य मंत्री हों, कोई भी कांग्रेसी विधायकों का पक्ष मजबूती से नहीं रख सका है। कांग्रेस विधायकों का यह भी आरोप है कि एनसीपी और शिवसेना के विधायकों की तुलना में कांग्रेस को कम फंड दिया जा रहा है। इन कारणों से उन्हें अपने चुनाव क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं और जनता की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। CMP की याद दिलाई सीएम को जैसे ही कांग्रेसी विधायकों की नाराजगी सोनिया गांधी तक पहुंचने की खबर आई, महाराष्ट्र कांग्रेस भी हरकत में आ गई। प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने बुधवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर कॉमन मिनिमम प्रोग्राम (सीएमपी) की याद दिलाई। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि कोरोना के कारण सीएमपी पिछड़ गया था, लेकिन अब इसे तत्काल लागू किया जाए।

पक्षकारों का हित सबसे महत्वपूर्ण

मुंबई। बांबे हाईकोर्ट ने कहा है कि पक्षकार का हित सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। जबकि न्यायाधीश अथवा वकील न्यायदान की प्रक्रिया में अपना सहयोग देते है। न्यायमूर्ति गौतम पटेल व न्यायमूर्ति माधव जामदार की खंडपीठ ने यह बात सातारा जिले के वाई इलाके में कोर्ट स्थापित करने के प्रस्ताव को मिली मंजूरी को चुनौती देनेवाली वकीलों के संगठन की ओर से दायर याचिका को खारिज करते हुए कही। सतारा जिला बार एसोसिएशन ने इस विषय को लेकर कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में दावा किया गया था कि वाई में कोर्ट स्थापित करने को मंजूरी देते समय बुनियादि सुविधाओं,परिवहन व्यवस्था,इमारत व दूसरे पहलूओं पर विचार नहीं किया गया है। सिर्फ प्रलंबित मामलों की संख्या के आधार पर हाईकोर्ट प्रशासन ने वाई में कोर्ट स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

अधिनियम में संशोधनः सहकारी संस्था में निष्क्रिय सदस्य का प्रावधान रद्द

मुंबई। राज्य के महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम 1960 में संशोधन के बाद अब निष्क्रिय सदस्यों का प्रावधान को रद्द कर दिया है। इससे कई सहकारी संस्थाओं के सदस्यों को इसका फायदा मिल सकेगा। राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने इस अधिनियम से संबंधित विधेयक को मंजूरी दी है। अधिनियम में संशोधन के अनुसार विशिष्ट परिस्थिति में वार्षिक आम सभा की बैठक को तीन महीने तक टालने का अधिकार निबंधक और उसके बाद का अधिकार सरकार को प्राप्त हो गया है। सहकारी संस्था में प्रशासक नियुक्ति होने पर प्राधिकृत अधिकारी का कार्यकाल एक साल का होगा। सहकारी संस्थाओं के ऑडिट की गलतियों को सुधारने के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। राज्य में लगभग 2 लाख सहकारी संस्थाओं में करीब 5 करोड़ लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हैं।

वैट की दर घटीः मुंबई में 6 रुपए किलो सस्ती हुई सीएनजी गैस

मुंबई। राज्य में सीएनजी और पीएनजी पर वैट की दर को 13.5 प्रतिशत से घटाकर 3 प्रतिशत किए जाने के बाद अब वाहनों के इस्तेमाल और पाइप लाइन से घरों में आपूर्ति किए जानी वाली गैस सस्ती हो गई है। महानगर गैस के अनुसार मुंबई और आसपास के परिसर में सीएनजी प्रतिकिलो 6 रुपए सस्ती हो गई है। जबकि पीएनजी गैस की दर प्रति एससीएम (स्टैन्डर्ड क्यूबिक मीटर) 3 रुपए 50 पैसे कम हुई है। नए दरों के अनुसार मुंबई परिसर में सीएनजी 60 रुपए प्रति किलो और पीएनजी 36 रुपए प्रति एससीएम होगी। इसके पहले उपमुख्यमंत्री तथा वित्त मंत्री अजित पवार ने बजट भाषण में सीएनजी और पीएनजी गैस पर 1 अप्रैल से वैट की दर को कम करने की घोषणा की थी।

पिन कोड लिखने में की गलती हुई तो रद्द हो गया नागरिकता आवेदन

मुंबई । सरकारी अधिकारी की ओर से पिन कोड लिखने में हुई गलती के चलते भारतीय नागरिकता से जुड़े आवेदन पर निर्णय लेने में हुए विलंब के मद्देनजर गुरुवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक ईरानी नागरिक को राहत प्रदान की है। न्यायमूर्ति गौतम पटेल व न्यायमूर्ति माधव जामदार की खंडपीठ ने साफ किया कि जब तक ईरानी नागरिक के नागरिकता आवेदन पर निर्णय नहीं आ जाता है तब तक उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई न की जाए। यानी 31 मार्च 2022 के बाद भी याचिकाकर्ता(ईरानी नागरिक) को यहां रहने की इजाजत होगी। इसे वीजा का उल्लंघन नहीं माना जाएगा।

ऑनलाइन मिठाई मंगाना पड़ा भारी, लगा 93 हजार का चूना

मुंबई। ऑनलाइन मिठाई मंगाना एक 49 वर्षीय महिला को भारी पड़ गया। मिठाई तो मिली नहीं साइबर ठग ने महिला को 93 हजार रुपए का चूना लगा दिया। महिला ने मामले में मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता के अनुसार, मंगलवार को उसने ओपेरा हाउस इलाके में स्थित तिवारी ब्रदर्स मिठाईवाला की दुकान से मिठाई मंगाने के लिए गूगल पर दुकान का नंबर खोजा। उसे एक मोबाइल नंबर मिला। महिला ने उस नंबर पर फोन किया तो फोन उठाने वाले व्यक्ति ने दावा किया कि वह दुकान का कर्मचारी बोल रहा है। महिला ने 2664 रुपए की मिठाई का ऑर्डर दिया।

चंद्रपुरः लॉयड्स मेटल्स में कामगारों की सुरक्षा ताक पर

घुग्घुस (चंद्रपुर)। घुग्घुस शहर को राज्य के सर्वाधिक प्रदूषित शहर में शुमार करवाने वाली लॉयड्स मेटल एंड एनर्जी लिमिटेड कंपनी में कामगारों की सुरक्षा को ताक पर रखकर उनसे काम करवाए जाने की जानकारी मिली है। कामगार भी अपने और परिवार की गुजरबसर के लिए खतरों के बीच रहकर काम करने पर विवश हैं। सूत्रों के अनुसार लॉयड्स मेटल एंड एनर्जी लिमिटेड कंपनी में कामगारों की सुरक्षा के किसी तरह के कोई बंदोबस्त नहीं हैं। कामगार हर समय डर के साये में काम करते रहते हैं। फैक्टरी की इमारत कई स्थानों से जर्जर हो चुकी लेकिन कंपनी प्रबंधन उसकी मरम्मत या अन्य कोई उपाय योजना नहीं कर रहा है। फैक्टरी इन्स्पेक्टर भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। कंपनी में इससे पूर्व अनेक हादसे हो चुके हैं जिसमें कुछ कामगारों को अपनी जान तक गंवानी पड़ी। किसी कामगार की हादसे में मृत्यु के बाद कंपनी प्रबंधन उसके परिजनों को मुआवजे के तौर पर कुछ राशि देकर मामला शांत कर दिया जाता है लेकिन भविष्य में दुर्घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए कोई उपाय नहीं किए जाते। 27 वर्ष पूर्व कंपनी स्थापित हुई थी इस कारण कंपनी की इमारत की हालत खस्ता हो चुकी है। इसकी मरम्मत आवश्यक होते हुए भी इस ओर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में किसी भी दिन किसी बड़ी अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता। जहां पर कर्मचारी काम करते हैं वहां सबसे ज्यादा प्रदूषण होता है। ऊपर से जर्जर इमारत के कारण हादसे की भी आशंका बनी रहती है।

संजय पांडेय - सड़क सुरक्षा से लेकर नशीले पदार्थों तक, यह शख्स एक मिशन पर है

हिरल शाह

19 फरवरी, 2022 को मुंबई के नए पुलिस आयुक्त के रूप में नियुक्त, 1986 बैच के IPS अधिकारी संजय पांडेय 'आमची मुंबई' को और बेहतर जगह बनाने में मेहनती रहे हैं।

07 मार्च, 2022 को उन्होंने पुलिस को भारतीय दंड संहिता की धारा 279 (रैश ड्राइविंग / राइडिंग) और 336 (मानव जीवन और दूसरों की सुरक्षा को खतरे में डालना) के तहत मुंबई में गलत साइड ड्राइविंग के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। तब से अब तक मुंबई पुलिस ने मोटर चालकों के खिलाफ गलत दिशा में गाड़ी चलाने के लिए 2800 से अधिक प्राथमिकी दर्ज की हैं और 4,600 से अधिक परित्यक्त वाहनों को सड़कों से हटा दिया है।

बेहतर सड़क सुरक्षा प्रदान करने के कार्य के बाद 59 वर्षीय आयुक्त ने आज (31 मार्च, 2022) ट्विटर पर मुंबई से मादक तत्व को खत्म करने का संकल्प लिया।

"दवाएं एक प्रमुख चिंता का विषय हैं। हम पृष्ठभूमि में काम कर रहे हैं। अब पर दैनिक प्रकट होगा और #narcoticsfree Mumbai की

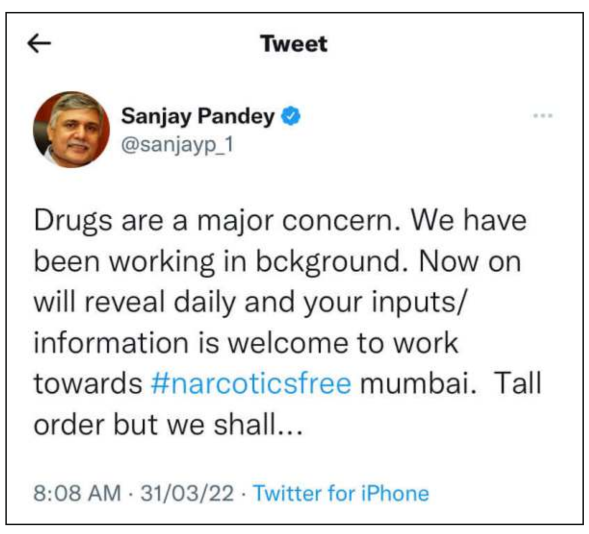
Tweet

Sanjay Pandey
@sanjayp_1

Drugs are a major concern. We have been working in bckground. Now on will reveal daily and your inputs/ information is welcome to work towards #narcoticsfree mumbai. Tall order but we shall...

8:08 AM · 31/03/22 · Twitter for iPhone

दिशा में हमारे काम में आपके इनपुट/जानकारी का स्वागत है। लंबा आदेश लेकिन हम करेंगे... " आयुक्त ने ट्विटर पर कहा।

2019 में महाराष्ट्र ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत देश में कुल मामलों का 19.4% हिस्सा 14158 मामले या घटनाएं दर्ज कीं। शीर्ष पांच शहरों में 85% से अधिक मामले व्यक्तिगत उपभोग के लिए थे।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने प्राकृतिक पौधों पर आधारित दवाओं जैसे भांग, कोका, अफीम, आदि की भारी खपत देखी है; और सिंथेटिक दवाएं (रासायनिक रूप से संसाधित) जैसे परमानंद, डायजेपाम, मेथाक्वालोन, आदि।

इससे पहले कि जिस किसी को भी इस पदार्थ के उपयोग पर जल्द से जल्द अंकुश लगाने की जरूरत है, उससे प्रेरित होकर अगली पीढ़ी इसे फैशन समझ ले।

हम आपको उसके कार्यों और उसके परिणाम के बारे में बताते रहेंगे।

12 साल से छोटे बच्चों को नहीं लगेगी वैक्सीन:कोविड वैक्सीनेशन की नई गाइडलाइन जल्द आएगी; गंभीर बीमारी वाले बच्चों को नियम से छूट

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने फैसला किया है कि 12 साल से कम उम्र के बच्चों को कोरोना की वैक्सीन नहीं लगाई जाएगी। हालांकि, इस बारे में अभी कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, मौजूदा हालात को देखते हुए यह फैसला हो चुका है। अभी देश में 12 साल से कम उम्र के बच्चों को वैक्सीन नहीं लगाई जा रही है।

सूत्र यह भी बता रहे हैं कि नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन (NTAGI) सरकार को सलाह देने वाली है कि 12 साल से कम उम्र के सिर्फ उन्हीं बच्चों को वैक्सीन दी जाए, जिन्हें पहले से कोई गंभीर बीमारी है।

दो कंपनियों ने सरकार से मंजूरी मांगी

वैक्सीन बनाने वाली दो कंपनियों सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और बायोलॉजिकल-ई ने केंद्र सरकार से 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए वैक्सीन की मंजूरी मांगी है। कंपनियों ने बच्चों पर ट्रायल के नतीजे भी सरकार को बताए हैं।

संक्रमित बच्चों में गंभीर लक्षण नहीं

इन प्रस्तावों पर हेल्थ मिनिस्ट्री ने एक्सपर्ट्स के साथ चर्चा की। इसमें पता चला कि देश में 12 साल से कम उम्र के बच्चे कोरोना की तीनों लहरों के दौरान संक्रमित तो हुए, लेकिन उनमें गंभीर लक्षण नहीं दिखे। इसलिए उन्हें वैक्सीन लगाना जरूरी नहीं है।

देश में 12 से 14 साल के बच्चों को 16 मार्च से वैक्सीन लग रही है। 1.6 करोड़ बच्चों को पहला डोज लग चुका है। वहीं, 15 से 17 साल के 5.71 करोड़ बच्चों को पहल डोज लगाया जा चुका है।

एक्सपर्ट बोले- बच्चे संक्रमण से बीमार नहीं पड़ते

दिल्ली AIIMS के कम्यूनिटी मेडिसन डिपार्टमेंट के डॉ. संजय राय ने बताया कि बच्चों को वैक्सीन देने से पहले वैज्ञानिक आधार बताना चाहिए। दुनियाभर में कहीं भी छोटे बच्चों को वैक्सीन की जरूरत नहीं है। क्योंकि, वैक्सीन संक्रमण की गंभीरता से बचाती है, न कि संक्रमण से। अभी तक बच्चों में संक्रमण के गंभीर लक्षण नहीं दिखे। कोरोना से बच्चों की मातें भी लगभग शून्य हैं। इसलिए उन्हें वैक्सीन लगाना सही नहीं रहेगा।

ICMR के पूर्व साइंटिस्ट डॉ. रमण गंगाखेड़कर ने कहा कि 12 से 14 साल के भी उन्हीं बच्चों को वैक्सीन देनी चाहिए, जिन्हें कोई न कोई गंभीर बीमारी हो। बाकी बच्चों को इसकी जरूरत नहीं है। वैसे भी यह

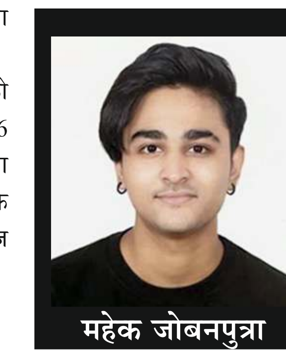
महेक जोबनपुत्रा

लगभग साफ हो चुका है कि वैक्सीन संक्रमण को नहीं रोकती, बल्कि संक्रमण होने के बाद बीमारी की गंभीरता कम करती है। फिर बच्चों को वैक्सीन देने की जरूरत ही क्या है।

मास्क हमें कई बीमारियों से बचाता है

दिल्ली AIIMS में मेडिसिन विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नीरज निश्चल के मुताबिक, सामान्य जनजीवन पटरी पर लौट रहा है, लोग बिना डर जीने लगे हैं, लेकिन भीड़भाड़ वाले इलाके या अस्पताल में मास्क पहनना चाहिए। मास्क हमें कई बीमारियों से बचाता है। ज्यादातर लोग वैक्सीन लगवा चुके हैं। फिर भी कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर का पालन करना चाहिए।

जरूरत की खबर:50 साल से कम उम्र की महिलाओं को स्किन कैंसर का खतरा ज्यादा, सूरज के सीधे संपर्क में आने से बचाव करना जरूरी

रंजनबेन मसोया

एक नई रिसर्च में सामने आया है कि 2040 तक सबसे खतरनाक स्किन कैंसर के मरीज दोगुना हो जाएंगे। वहीं, दुनिया में 68% ज्यादा लोग इससे अपनी जान नहीं बचा पाएंगे। इस कैंसर को मेलेनोमा कहते हैं। स्किन कैंसर का हर 5 में से 1 मरीज मेलेनोमा का होता है। दुनिया के ज्यादातर देशों में 50 साल से पहले महिलाओं और उसके बाद पुरुषों में इस कैंसर के होने का खतरा ज्यादा है। जामा डर्मेटोलॉजी मैग्जीन में प्रकाशित रिसर्च के अनुसार, कई अफ्रीकी और एशियाई देशों के मुकाबले ऑस्ट्रेलिया में नए मरीजों की संख्या

36 गुना अधिक पाई गई। वहीं, इसने न्यूजीलैंड में सबसे ज्यादा लोगों की जान ली।

सूरज से सीधे संपर्क में न आए

कैंसर पर रिसर्च करने वाली एक अंतरराष्ट्रीय एजेंसी के अनुमान के अनुसार, 2020 में मेलेनोमा के 3,25,000 नए मरीज सामने आए, वहीं 57,000 मौतें हुई हैं। इस बीमारी से बचने के लिए हमें शरीर को सीधे सूरज के संपर्क में नहीं आने देना चाहिए। सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना चाहिए। लैंप आदि उपकरणों जिनसे यूवी रे निकलती है, उनसे बचना चाहिए।

मेलेनोमा कैंसर

मेलेनोमा स्किन कैंसर का एक रूप है। यह बीमारी सूर्य की अल्ट्रावायलेट किरणों से होती है। इस स्थिति में स्किन में काले तिल की तरह दाग होने लगते हैं। धीरे-धीरे इसका आकार बढ़ने लगता है। यह एक प्रकार की आनुवांशिकी बीमारी भी है, जो पीढ़ी दर चलती रहती है। प्राथमिक स्तर पर इसका इलाज संभव है।

चीन की जीरो कोविड नीति फेल:चीनियों में ओमिक्रॉन से लड़ने की क्षमता नहीं; दो साल में पहली बार देश के सभी 31 राज्यों में फैला कोरोना

कोरोना काल के दो साल में पहली बार चीन के सभी 31 प्रांतों में संक्रमण की चपेट में आ गए हैं। इसमें भी ओमिक्रॉन से संक्रमितों का आंकड़ा 62 हजार केस के पार पहुंच गया है।

आर्थिक राजधानी शंघाई समेत 5 शहरों में लॉकडाउन लगा दिया गया है।

इससे देश की आर्थिक सेहत भी बिगड़ रही है। चीन ने कोरोना पर काबू के लिए जिस जीरो कोविड पॉलिसी को अमल में लाया था वो फेल साबित हो रही है।

चीन के लगभग 12 हजार सरकारी अस्पतालों में नए मरीजों को भर्ती करने की जगह नहीं है। चीन ने कोरोना की पहली लहर के दौरान सख्त लॉकडाउन का नियम बनाया था। इसके तहत एक भी केस आने पर

पूरे शहर में लॉकडाउन लगा दिया जाता था। ऐसे में उसके चिकित्सा ढांचे पर काफी असर पड़ा।

चीन में तीन स्तरीय चिकित्सा का मॉडल है, लेकिन चीनी सरकार ने शुरुआती दिनों में ही अपने चिकित्सा मॉडल की जांच बेहतर ढंग से नहीं की।

ऐसे में रोगियों में कोरोना के डेल्टा और ओमिक्रॉन वैरिएंट के के खिलाफ इम्यूनिटी नहीं बन पाई। अब जबकि एशिया के दूसरे देशों में कोरोना के रोगियों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है, चीन को रिवर्स कोरोना संक्रमण के हालात से गुजरना पड़ रहा है।

शंघाई के 20 हजार बैंकर्स दफ्तरों में ही रह रहे हैं

चीन के बड़े व्यावसायिक हब शंघाई में अगले शुक्रवार तक पूर्ण लॉकडाउन लगाया गया है। बैंकिंग और अन्य गतिविधियां बाधित नहीं हों, इसके लिए शंघाई के लगभग 20 हजार बैकर्स दफ्तरों में रह रहे हैं। यहीं सो भी रहे हैं।

सरकार की ओर से उनके खाने का इंतजाम किया गया है।

चीन में 88% को टीका, बुजुर्गों में ये केवल 52%

चीन दुनिया के सर्वाधिक टीकाकरण वाले देशों में शामिल है।

चीन में 88% से अधिक आबादी को कोरोना वैक्सीन की डबल डोज लग चुकी है,

लेकिन इसके बावजूद चीन के बुजुर्गों यानी 60 साल से अधिक आयु के लोगों में से मात्र 52% को ही डबल डोज लग पाई है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मार्च माह का यह अंतिम सप्ताह आपके लिए राहत देने वाला रहेगा। इस सप्ताह आपकी निर्णय क्षमता बेहतर होगी। जो भी निर्णय करेंगे उसमें स्वयं के साथ परिवार के हित का समावेश भी होगा। मानसिक शांति रहने से अपने आजीविका के साधनों पर अच्छे तरीके से ध्यान दे पाएंगे। आर्थिक दृष्टि से परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी।

वृषभ : आपके लिए सप्ताह थोड़ा अस्तव्यस्त सा रह सकता है। कुछ आकस्मिक घटनाएं होंगी। ये शुभ और अशुभ दोनों हो सकती हैं। कोई भी निर्णय लेते समय परिवार के वरिष्ठों का मत अवश्य लें। नौकरीपेशा को उच्चाधिकारियों से पटरी बैठाने में परेशानी नहीं आएगी। व्यापारियों का काम सुस्त सा रहेगा। आर्थिक संकट दूर होने के योग बनेंगे।

मिथुन : आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार और समाज के महत्वपूर्ण निर्णयों में आपका अभिमत सराहा जाएगा। अपने साहस और धैर्य से बड़ी मुश्किलों का सामना भी मजबूती से करेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूती की ओर बढ़ रही है। कर्ज मुक्ति की स्थिति बन रही है। नौकरी पेशा और व्यापारी वर्ग को लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

कर्क : मार्च का यह अंतिम सप्ताह थोड़ा विवादों में व्यतीत हो सकता है। पारिवारिक विवाद, मित्रों से विवाद, संपत्ति को लेकर किसी से विवाद, कोर्ट-कचहरी, पुलिस के मामले आ सकते हैं। इस सप्ताह संपत्ति संबंधी कार्य न करें तो ही ठीक रहेगा। युवाओं के करियर में उतार-चढ़ाव आएगा। व्यापारियों का कार्य धीमा हो सकता है।

सिंह : इस सप्ताह आप भौतिक सुख-सुविधाओं में कमी अनुभव कर सकते हैं। आर्थिक संकटों का समाधान तलाशने का प्रयास करें। कर्ज मुक्ति की स्थिति बनेगी लेकिन नया कर्ज लेने से बचें और किसी को पैसा उधार भी न दें। शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त रहेंगे। पुराने और जीर्ण रोगों से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक जीवन में सभी से सामंजस्य बना रहेगा।

कन्या : किसी कार्य के अपूर्ण रहने से मानसिक रूप से विचलित रहेंगे। अपने मन-मस्तिष्क को शांत रखें, विचारों का प्रवाह कम करें। आर्थिक स्थिति में जल्द ही मजबूती आने की स्थिति बन रही है। निवेश से लाभ, संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। नौकरीपेशा, कारोबारियों को यथा स्थिति में कार्य करते रहना है। पारिवारिक जीवन उत्तम रहेगा।

तुला : सप्ताह में खट्टे-मीठे अनुभव प्राप्त होंगे। जिन लोगों को आप स्वयं से दूर कर चुके हैं आपको उनके पास जाना पड़ सकता है। इसलिए आगे से अपनी वाणी का प्रयोग संभलकर करें। धन संपत्ति को लेकर थोड़े चिंतित हो सकते हैं। परिवार में अनबन रहेगी। किसी विशेष समारोह में शामिल होने का अवसर आएगा।

वृश्चिक : इस सप्ताह स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है। जरा सी भी लापरवाही भारी पड़ सकती है खासकर हृदय रोगी, डायबिटीज और अस्थमा के रोगी सतर्क रहें। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। आकस्मिक रूप से कहीं यात्रा करनी पड़ सकती है। भाई-बहनों से संपत्ति को लेकर मतभेद उभर सकता है। नौकरीपेशा को तनाव महसूस होगा।

धनु : अपनी वाणी में मधुरता लाएं। आपकी कही बात किसी के हृदय को चुभ सकती है। पारिवारिक और सामाजिक स्थिति में विवादित स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। नौकरी में नई संभावनाएं तलाशने का प्रयास करें। व्यापारिक स्थितियां भी सामान्य नहीं दिख रही हैं। सप्ताह में व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर : सप्ताह उन्नतिदायक रहेगा। अनेक शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा वर्ग को कार्य की अधिकता रहेगी लेकिन इसका शुभ परिणाम प्रमोशन के रूप में मिल सकता है। कुछ कार्यो के लिए भागदौड़ भी करनी पड़ सकती है। कारोबार में शिथिलता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति उतार-चढ़ाव भरी रहेगी, लेकिन पूर्व में की गई बचत के कारण राहत में रहेंगे।

कुंभ : समय जो जैसा है, वैसा ही चलने देने वाला है। किसी भी कार्य में जल्दबाजी न करें। परिवार को समय दें, उनके साथ ही सामंजस्य बनाकर रखें, संकट के समय वे ही काम आएंगे। स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें। किसी भी रोग के लक्षण दिखते ही तत्काल डाक्टर से सलाह लें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। भूमि, भवन के कार्य पूरे होंगे।

मीन : आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। मान-सम्मान प्राप्त होगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। संपत्ति और भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पारिवारिक जीवन में सामंजस्य बना रहेगा। भाई-बहनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। संतानपक्ष के कार्य उत्तम होंगे। संतान को सम्मान प्राप्त होगा।

चुटकुले

होटल के रूम में से होटल मैनेजर को फोन करता है!! पति – मैनेजर साहब जल्दी आओ!

मैनेजर – क्यूँ, क्या हुआ?? पति – मेरी बीवी से झगड़ा हुआ है और वो बोल रही है कि,

वो होटल की खिड़की से कूद जाएगी,,,

मैनेजर – माफ कीजिए सर, यह आपका निजी मामला है!!

पति – अबे साले खिड़की नहीं खुल रही है!! यह मेंटिनेंस प्रॉब्लम है!!

उर्दू के टीचर ने सवाल पूछा – 'नाकाम इश्क' और 'मुकम्मल इश्क' में क्या फर्क होता है?

छात्र ने जवाब दिया – 'नाकाम इश्क' बेहतरीन शायरी करता है, गजल गाता है, पहाड़ों में घूमता है, उम्दा शराब पीता है और

'मुकम्मल इश्क' सब्जी के साथ मुफ्त में धनिया कैसे मिले, रास्ते से ब्रेड लाते और दाल में नमक ज्यादा के फेर में दम तोड़ देता है।

नेपाल के पीएम शेर बहादुर देउबा तीन दिन के दौरे पर भारत पहुंचे

नेपाल के पीएम शेर बहादुर देउबा तीन दिन के दौरे पर भारत पहुंचे हैं। वे भारत के पीएम नरेंद्र मोदी से भी मिलेंगे। इस दौरान कई महत्वपूर्ण व्यापारिक मुद्दों पर चर्चा होगी। नेपाल के पीएम शेर बहादुर देउबा तीन दिन के भारत दौरे पर आज नई दिल्ली पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी आरजू राणा देउबा, चार कैबिनेट मंत्री, सरकारी सचिव, वरिष्ठ अधिकारी और उद्योगपतियों सहित कुल 50 लोग भारत आए हैं। जुलाई 2021 में पीएम बनने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है। वो पांचवीं बार नेपाल के पीएम बने हैं। देउबा वाराणसी की यात्रा भी करेंगे। वे 3 अप्रैल को वापस रवाना होंगे।

चंडीगढ़ को पंजाब को सौंपने का प्रस्ताव पंजाब विधानसभा में पास; जल्द PM मोदी और गृहमंत्री शाह से मिलेंगे CM मान

पंजाब विधानसभा में शुक्रवार को चंडीगढ़ को तुरंत पंजाब को देने का प्रस्ताव पास हो गया। इस दौरान कांग्रेस, अकाली दल और बसपा ने इसका समर्थन किया। वहीं भाजपा ने इसका विरोध करते हुए मान सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए। प्रस्ताव पास होने के बाद CM भगवंत मान ने कहा कि पंजाब को बचाने के लिए वह संसद के अंदर-बाहर और सड़कों पर लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं। इस बारे में वह जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से समय लेंगे। जिसके बाद उनसे मुलाकात करेंगे। यह विवाद चंडीगढ़ में कर्मचारियों पर केंद्रीय नियम लागू किए जाने के बाद शुरू हुआ।

साउथ कोरियाई एयरफोर्स के 2 एयरक्राफ्ट ट्रेनिंग के दौरान हवा में टकराए, 3 पायलट्स की मौत और 1 घायल

दक्षिण कोरियाई एयर फोर्स के 2 ट्रेनर एयरक्राफ्ट्स के बीच शुक्रवार को ट्रेनिंग के दौरान टक्कर हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसे में 3 पायलट्स की मौत हुई है जबकि एक घायल हुआ है। एयर फोर्स ने बताया कि दोनों एयरक्राफ्ट्स के बीच दक्षिणपूर्वी शहर साचियोन के KT-1 एयरक्राफ्ट बेस के पास हवा में टक्कर हुई। हालांकि अभी तक एयरफोर्स ने किसी के मरने की पुष्टि नहीं की है। एयरफोर्स ने यह जानकारी भी नहीं दी है कि पायलट्स ने प्लेन से इजेक्ट होने की कोशिश की या नहीं।

रायगढ़ में हॉस्पिटल की लिफ्ट टूटने से सेकंड फ्लोर से गिरे 9 डॉक्टर्स

महाराष्ट्र के रायगढ़ में एक हॉस्पिटल की लिफ्ट गिरने से 9 डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह दिल दहला देने वाली घटना रायगढ़ जिले के न्यू पनवेल शहर के 'आमले अस्पताल' में शुक्रवार सुबह हुई है। रायगढ़ पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, हॉस्पिटल की दूसरी मंजिल पर पहुंचने पर लिफ्ट की मेटल केबल टूट गई। माना जा रहा है कि लिफ्ट में केपेसिटी से ज्यादा वजन था, इसलिए यह दुर्घटना हुई है। हादसे के वक्त लिफ्ट में 9 डॉक्टर्स मौजूद थे। खास यह यह कि यह हॉस्पिटल कुछ ही महीने पहले शुरू हुआ था। सभी डॉक्टर्स तीसरी मंजिल से खाना खा कर ग्राउंड फ्लोर पर जा रहे थे।

कॉमर्शियल सिलेंडर 250 रुपए महंगा हुआ: 19 KG का सिलेंडर अब 2553 रुपए में मिलेगा

नए वित्त वर्ष के पहले दिन सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (OMCs) ने LPG गैस सिलेंडर के दामों में बड़ी बढ़ोतरी की है। शुक्रवार को कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में 250 रुपए का इजाफा हुआ है। 19 KG के इस सिलेंडर की कीमत अब 2553 रुपए होगी। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों मे कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। इससे पहले 22 मार्च को घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में 50 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी, जबकि कॉमर्शियल LPG गैस सिलेंडर सस्ता हुआ था। दिल्ली में घरेलू LPG गैस सिलेंडर की कीमत 949.50 रुपए है। कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम दाम बढ़ने से होटल और रेस्टोरेंट पर असर दिखाई देगा। इसका प्रभाव आम ग्राहकों की जेब पर भी पड़ेगा, क्योंकि लागत में इजाफा होने से बाहरी खाने की कीमतें बढ़ना तय है।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में आतंकियों और सुरक्षा बलों की बीच मुठभेड़ जारी, 1 आतंकी ढ़ेर

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के तुर्कवांगम इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गुरुवार रात से मुठभेड़ जारी है। इसमें एक आतंकी मारा गया है। कश्मीर जोन पुलिस ने कहा कि आतंकियों के सफाए के लिए पूरे इलाके में सर्च-ऑपरेशन चलाया जा रहा है। आतंकियों की तरफ से फायरिंग की गई है, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भारत पहुंचे

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव गुरुवार को भारत आ गए। रूस-यूक्रेन जंग के दौरान रूसी विदेश मंत्री की यह पहली भारत यात्रा है। शुक्रवार को वे भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे। इसके बाद शाम में PM मोदी से भी मिलेंगे। दोनों देशों के बीच मीटिंग के दौरान सस्ते तेल की खरीदारी और उसके पेमेंट सिस्टम पर चर्चा होने की उम्मीद है।

दिल्ली के बुद्धा गार्डन इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़

दिल्ली के बुद्धा गार्डन इलाके के पास गुरुवार रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुठभेड़ के दौरान गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और काला राणा गैंग के तीन गैंगस्टर विवेक पुरी, अश्विनी कुमार और प्रशांत को गिरफ्तार किया। इन तीनों के खिलाफ दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इनके पास से तीन पिस्टल, 13 कारतूस बरामद किए हैं।

नीतीश केंद्र में गए तो बिहार में क्या होगा:नया CM BJP से और डिप्टी CM JDU से हो सकता है, MLC और उपचुनाव के बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल संभव

बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। राजनीतिक गलियारे में मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चा जोरों पर है। एक चर्चा यह भी है कि CM नीतीश कुमार राज्यसभा के जरिए केंद्रीय कैबिनेट में जा सकते हैं और बिहार में BJP से कोई CM बन सकता है।

इन सब चर्चाओं को बल तब मिला, जब दो दिन पहले बातों-बातों में नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने की चर्चा छेड़ दी। वहीं, हाल की उनकी राजनीतिक गतिविधि भी कुछ ऐसा ही इशारा कर रही है। हालांकि CM ने इन सभी बातों को सिरे से नकार दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि मेरी कोई व्यक्तिगत इच्छा नहीं है।

भास्कर के सूत्रों के अनुसार, बिहार सरकार के मंत्रिमंडल में अप्रैल में बदलाव हो सकता है। कहा तो यह भी जा रहा है कि मुख्यमंत्री के चेहरे पर BJP के अंदरखाने चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि यह सब कुछ BJP और JDU की आपसी सहमति के बाद ही संभव है।

अभी बिहार में विधान परिषद का स्थानीय निकाय वाला चुनाव है। साथ ही बोचहां विधानसभा का उपचुनाव भी होने वाला है। दोनों चुनाव के बाद ही यह तय हो पाएगा कि बिहार की राजनीति की ऊंट किस करवट बैठेगी।

चर्चाओं के पीछे हाल की 3 घटनाएं

UP के CM योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण समारोह में जाना और प्रधानमंत्री से मिलना। खास बात ये है कि मोदी युग में नीतीश कुमार BJP मुख्यमंत्री के शपथ समारोह में पहली बार शामिल हुए।

अपने संसदीय क्षेत्र के निजी यात्रा पर नीतीश कुमार इन दिनों जा रहे हैं। अपने पुराने लोगों से हाल-चाल और आशीर्वाद ले रहे हैं।

मंत्री मुकेश सहनी की पार्टी टूटने पर भी नीतीश कुमार BJP के

समर्थन में दिखे। उन्होंने BJP के कहने पर सहनी को मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया।

BJP से तीन नाम CM की रेस में

CM नीतीश कुमार को लेकर दो तरह की चर्चा है। कुछ लोग उन्हें उप राष्ट्रपति तो कुछ उनको रक्षा मंत्री की दौड़ में बता रहे हैं। सवाल यह है कि यदि नीतीश कुमार दिल्ली की राजनीति में चले जाते हैं तो बिहार का अगला CM कौन होगा। BJP की तरफ से CM पद के लिए तीन नामों पर चर्चा तेज है। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय इस रेस में सबसे आगे हैं। उनके साथ सकारात्मक पहलू यह है कि वो यादव हैं और बिहार में लालू यादव परिवार से सीधा मुकाबला कर सकते हैं। राय केंद्र के नेताओं के काफी करीब हैं। वहीं, तारकिशोर प्रसाद को भी यह जिम्मेदारी दी जा सकती है। वह अभी उप मुख्यमंत्री हैं। जातीय समीकरण के मुताबिक पिछड़े समाज से आते हैं। इसके बाद सम्राट चौधरी का नाम आ रहा है। यह जाति से कुशवाहा हैं। बहुत जल्द इन्होंने भाजपा में अपनी छवि एक सख्त नेता की बना ली है। केंद्रीय नेतृत्व के भी यह काफी नजदीक हैं।

नीतीश के विश्वासपात्र ही होंगे उप मुख्यमंत्री

इधर बात JDU की करें तो वहां से उप मुख्यमंत्री के लिए भी कुछ नाम हैं, जिसे यह जिम्मेदारी दी जा सकती है। उप मुख्यमंत्री के तौर पर उपेंद्र कुशवाहा का नाम पहले नम्बर पर है। CM नीतीश कुमार के विश्वासपात्र हैं और अभी तक इन्हें कोई खास जिम्मेदारी नहीं दी गई है। इनका जातीय समीकरण भी उप मुख्यमंत्री की पोस्ट के लिए फिट है।

वहीं, दूसरा नाम और तीसरा नाम ललन सिंह और विजय चौधरी का है। दोनों की जाति भूमिहार है और ये अगड़े समाज से आते हैं। यदि BJP की तरफ से पिछड़ा फेस दिया जाएगा, तो इन दोनों में से एक उप मुख्यमंत्री बन सकता है। वही, अशोक चौधरी भी इस रेस में है। दलित समाज से आने वाले अशोक चौधरी तेज तर्रार नेता माने जाते हैं। इन सबके बावजूद अंतिम फैसला नीतीश कुमार का होगा कि वो किसे उप मुख्यमंत्री बनाते हैं।

MLC चुनाव और बोचहां उपचुनाव के बाद ही कुछ संभव

चर्चाओं के बीच वरिष्ठ पत्रकार अरुण पांडेय कहते हैं कि ऐसी कोई राजनीतिक घटना हाल में नहीं घटेगी। यदि कुछ संभव है तो वो मंत्रिमंडल के विस्तार की है। VIP से तीन विधायक BJP में शामिल हुए हैं, उनमें से किसी एक को मंत्री बनाया सकता है। वैसे भी सब कुछ बोचहां विधानसभा के उपचुनाव और विधान परिषद के स्थानीय निकाय चुनाव के बाद ही संभव है।

यूट्यूबर की मुश्किलें बढ़ी:भुवन बाम ने पहाड़ी लड़कियों पर किया आपत्तिजनक कमेंट, राष्ट्रीय महिला आयोग ने लिया एक्शन

यूट्यूबर भुवन बाम मुश्किलों में फसते नजर आ रहे हैं। पहाड़ी लड़कियों पर भुवन ने जो कमेंट किया था उस पर अब राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक्शन लिया है। आयोग ने दिल्ली पुलिस कमिश्मर को लेटर लिख कर कार्रवाई के लिए कहा है। इसके साथ ही उन्होंने भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय को भी भुवन के खिलाफ एक्शन लेने के लिए कहा है। हालांकि इसके बाद ही भुवन ने सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी है। कमिश्नर को लिखा पत्र राष्ट्रीय महिला आयोग ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, 'हमने इस मामले को संज्ञान में लिया है। आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने दिल्ली के पुलिस कमिश्नर को FIR दर्ज करने और मामले में सख्त कार्रवाई करने के लिए लेटर भी लिखा है। इसके साथ ही महिलाओं की गरिमा के उल्लंघन के लिए यूट्यूब चैनल के खिलाफ उचित कार्रवाई करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के सचिव को भी लेटर लिखा है। भुवन ने मांगी माफी आयोग के पोस्ट के बाद भुवन ने माफी मांगते हुए कहा, मुझे जानकारी मिली कि मेरे वीडियो के उस पार्ट से कुछ लोग हर्ट हुए हैं। मैंने वीडियो को एडिट कर उस पार्ट को हटा दिया है। जो लोग मुझे जानते हैं, वह यह भी जानते हैं कि मैं महिलाओं की कितनी इज्जत करता हूं। इस वीडियो के माध्यम से मेरा किसी को दुख पहुंचाने का मकसद नहीं था। मैं सभी से माफी मांगता हूं। हाल ही में भुवन बाम ने अपने चैनल पर एक वीडियो अपलोड किया था। जिसमें उन्होंने पहाड़ी लड़कियों पर अपमानजनक कमेंट किए थे।

ऑनलाइन ट्रांजैक्शन का नया रिकॉर्ड:5 साल में पहली बार UPI ट्रांजैक्शन 83.45 लाख करोड़ रुपए पहुंचा, वॉल्यूम 500 करोड़ के पार

वित्त वर्ष 2021-22 में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) की ट्रांजैक्शन वैल्यू 1 लाख करोड़ डॉलर को पार कर गई है। पिछले दो साल में UPI पेमेंट सिस्टम की ग्रोथ बहुत ज्यादा रही है। अब देश के दूरदराज के इलाकों में इसका इस्तेमाल हो रहा है। लोग छोटी रकम की पेमेंट के लिए भी इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। UPI की ट्रांजेक्शन वैल्यू 83.45 लाख करोड़ रुपए नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने 29 मार्च तक के डेटा जारी किए हैं। इसमें बताया गया है कि फाइनेंशियल ईयर 2021-2022 में UPI की ट्रांजेक्शन वैल्यू 83.45 लाख करोड़ रुपए रही। डॉलर और रुपए के एक्सचेंज रेट के हिसाब से 1 लाख करोड़ (ट्रिलियन) डॉलर को रुपए में बदलने पर 75.82 लाख करोड़ रुपए आता है।

पहली बार UPI पेमेंट सिस्टम में वॉल्यूम 500 करोड़ के पार

मार्च में पहली बार UPI पेमेंट सिस्टम में वॉल्यूम 500 करोड़ को पार कर गया। मार्च की 29 तारीख तक 504 करोड़ ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड किए जा चुके थे। अगर मार्च (29 तारीख तक) में ट्रांजैक्शन वैल्यू की बात करें तो यह 8.8 लाख करोड़ रुपए रहा। यह फरवरी के मुकाबले 7.5% ज्यादा है। मंथली ट्रांजेक्शन वैल्यू 9 लाख करोड़ रुपए पहुंचने का अनुमान पिछले दो साल में UPI से ट्रांजेक्शन बहुत बढ़ा है। इसकी वजह कोरोना की महामारी है। पिछले दो साल में UPI ने कई नए रिकॉर्ड बनाए हैं। अब UPI से मंथली ट्रांजैक्शन वैल्यू 9 लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंचने वाली है। वित्त वर्ष 2021-22 की शुरुआत यानी अप्रैल में UPI के जरिए कुल 260 करोड़ ट्रांजेक्शन हुए थे, जिनकी वैल्यू 4.93 लाख करोड़ रुपए थी। करीब एक साल बाद मंथली ट्रांजेक्शन वॉल्यूम 94% बढ़ा है, जबकि इसकी वैल्यू 80% बढ़ी है। कुल ट्रांजेक्शन वैल्यू में UPI की हिस्सेदारी 16% देश में कुल रिटेल पेमेंट में UPI की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है। फाइनेंशियल ईयर 2021-22 में कुल रिटेल पेमेंट का 60% UPI के जरिए किया गया। हालांकि, UPI से पेमेंट में लो-वैल्यू ट्रांजेक्शन की ज्यादा हिस्सेदारी है। फाइनेंशियल ईयर 2021-22 में कुल ट्रांजेक्शन वैल्यू में UPI की हिस्सेदारी सिर्फ 16% रही। UPI के इस्तेमाल से आम आदमी के साथ ही दुकानदारों को काफी फायदा हुआ है। एक तरफ जहां अप खरीदारी के लिए जेब में पैसे रखने की जरूरत नहीं रह गई है, वहीं दूसरी तरफ खुले पैसे की दिक्कत भी दुकानदार को नहीं हो रही है।

हिमाचल में धमाकेदार एंट्री की तैयारी में AAP: विक्टोरिया पुल से पड्डल मैदान तक जाएगा 2 CM अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान का रोड शो

आम आदमी पार्टी (AAP) ने हिमाचल प्रदेश में धमाकेदार एंट्री की तैयारी कर ली है। इसके लिए 6 अप्रैल को मंडी में एक रोड शो किया जा रहा है। इसके जरिए आप सुप्रीमो दिल्ली सीएम अरविंदर केजरीवाल विधानसभा होगा। रोड शो के लिए प्रदेशभर से पार्टी वर्कर और आम लोगों की भीड़ जुटाने के प्रयास जारी हैं। हालांकि अब आप नेता दावा कर रहे हैं कि रोड शो का फोकस मंडी संसदीय क्षेत्र पर रहेगा। मंडी संसदीय क्षेत्र के अलावा दूसरे के लिए बसों की व्यवस्था नहीं की जा रही है। विधानसभा क्षेत्रवार बनाए गए पदाधिकारी डोनेशन इकट्ठा करके निजी वाहन हायर करके रैली में पहुंच सकते हैं। वाहनों के लिए पार्टी फाइनेंस नहीं करेगी।

कई बड़े नेता थाम सकते है पार्टी का दामन

रोड शो से अरविंद केजरीवाल हिमाचल में अक्तूबर-नवंबर में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव का बिगुल फूकेंगे। सूत्रों की मानें तो मंडी रैली में कांग्रेस-भाजपा के कई बड़े चेहरे अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में AAP का दामन थाम सकते हैं। प्रदेश के ऐसे बड़े नेता सीधे अरविंद केजरीवाल से संपर्क में हैं। वहीं आए दिन काफी संख्या में कांग्रेस भाजपा से रुष्ट लोग आम आदमी पार्टी के जुड़ रहे हैं।

चुनाव 2022 का बिगुल फूंकने जा रहे हैं। उनके साथ रोड शो में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी होंगे। रोड शो की तैयारियां जोरो-शोरों से चल रही हैं।

रोड शो की शुरुआत मंडी के विक्टोरिया पुल से होगी और इसका समापन पड्डल मैदान में विधानसभा हलकों के सक्रिय कार्यकर्ता भी इस रैली में शामिल होंगे। अपने खर्च से पहुंचना होगा रैली में रोक किसी के लिए नहीं होगी, लेकिन रोड शो में शामिल होने के इच्छुक लोगों को अपने निजी वाहन और खर्च पर मंडी पहुंचना होगा। पार्टी द्वारा रोड शो

300 यूनिट मुफ्त बिजली पर सियासी घमासान: पंजाब सरकार के नए टैरिफ में जिक्र नहीं; विपक्षी बोले- केजरीवाल की गारंटी पूरी करें भगवंत मान

पंजाब में आम आदमी पार्टी (AAP) की 300 यूनिट मुफ्त बिजली को लेकर सियासी घमासान मच गया है। राज्य सरकार ने कल पंजाब के लिए बिजली टैरिफ जारी किया। इनमें रेट तो नहीं बढ़ाए गए लेकिन मुफ्त बिजली का भी कोई जिक्र नहीं है। ऐसे में विपक्षी दलों ने मोर्चा खोल दिया है। अकाली दल और कांग्रेस ने कहा कि CM भगवंत मान को अरविंद केजरीवाल की गारंटी को पूरा करना चाहिए। चुनाव के वक्त केजरीवाल ने पंजाब के हर घर को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का भरोसा दिया था।

चुनाव में केजरीवाल ने दी थी गारंटी | सरकार ने बिजली के नए रेट जारी किए

अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने चुनाव के दौरान यह वादा किया था। फाइल फोटो

अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने चुनाव के दौरान यह वादा किया था। फाइल फोटो

कोविड का दिया हवाला, 36149.60 करोड़ की कमाई

पंजाब स्टेट इलैक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने कहा कि कोविड महामारी के चलते बिजली के रेट में कोई बढोत्तरी नहीं की गई है। इस दौरान बिजली उपभोक्ताओं से 36149.60 करोड़ की कमाई का टारगेट रखा गया है।

मुफ्त बिजली का इंतजार कर रहे लोग : चीमा

अकाली दल के प्रवक्ता डॉ. दलजीत चीमा ने कहा कि पंजाब के लोग बेसब्री से 300 यूनिट मुफ्त बिजली का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि पंजाब विधानसभा के स्पेशल सेशन में CM भगवंत मान अपने इस चुनावी वादे को पूरा करेंगे।

पहली कैबिनेट में पास करना चाहिए था : खैहरा

कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा ने कहा कि हमें उम्मीद थी कि भगवंत मान पहली कैबिनेट मीटिंग में अरविंद केजरीवाल की 300 यूनिट मुफ्त बिजली की गारंटी को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि अब CM मान को अगली कैबिनेट मीटिंग में इसे पूरा करना चाहिए। इसके अलावा उन्हें अरविंद केजरीवाल की दूसरी गारंटी भी पूरी करनी चाहिए।

SPORTS खेल जगत

टीम इंडिया का जुलाई में वेस्टइंडीज दौरा:वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत 3 वनडे और 5 टी-20 मैच प्रस्तावित, आखिरी 2 टी-20 अमेरिका में खेले जा सकते हैं

टीम इंडिया जुलाई में इंग्लैंड दौरे के बाद वहां से आखिरी हफ्ते में वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी। वहां 3वनडे और 5 टी-20 मैच खेले जाने हैं। उसके बाद वेस्टइंडीज खिलाड़ी कैरेबियन प्रीमियर लीग की अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी में शामिल होंगे, जो 29 अगस्त से शुरू हो जाएगी। टी-20 के आखिरी 2 मैच अमेरिका में खेले जा सकते हैं। हालांकि, अभी दौरे को लेकर अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। 2 मैच अमेरिका में खेले जा सकते हैं क्रिकेट की वेबसाइट क्रिकबज के अनुसार भारतीय टीम इंग्लैंड में एक टेस्ट और पांच वाइट बॉल के मैच खेलने के बाद जुलाई के आखिरी हफ्ते में वहां से वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी। क्रिकेट वेस्टइंडीज प्रस्तावित 5 टी-20 मैच के आखिरी 2 मैच अमेरिका के फ्लोरिडा के लॉडहिल में कराने की योजना तैयार कर रही है। अमेरिका में हो चुके हैं 6 अंतरराष्ट्रीय मैच

ऐसा नहीं है कि अमेरिका में पहली बार अंतरराष्ट्रीय मैच खेला जाएगा। इससे पहले 6 अंतरराष्ट्रीय मैच हो चुके हैं। भारत ने भी यहां 4 मैच खेले हैं। 2016 और 2019 में 2-2 मैच खेले हैं। IPL के बाद टीम इंडिया शेड्यूल बिजी इंडियन प्रीमियर लीग 29 मई को खत्म होगा। उसके बाद टीम इंडिया का शेड्यूल काफी बिजी है। जून के पहले हफ्ते अफ्रीकी टीम भारतीय दौरे पर आएगी। 9 जून से 19 जून के बीच 5 टी-20 मैचों की सीरीज है। उसके बाद टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इंग्लैंड के साथ सीरीज से पहले पहले आयरलैंड के साथ 2 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। पहला मै 26 जून और दूसरा 28 जून को खेला जाएगा। वहीं 1-5 जुलाई तक इंग्लैंड के साथ टेस्ट मैच खेलना है। 7 से 10 जुलाई तक 3 टी-20 मैच और 12 जुलाई से 17 जुलाई तक 3 वनडे मैच खेलने हैं।

लखनऊ को मिली पहली जीत:एविन लुईस ने सीजन की फास्टेस्ट फिफ्टी लगाकर LSG को जिताया, 19वें ओवर में 25 रन जड़ मैच पलटा

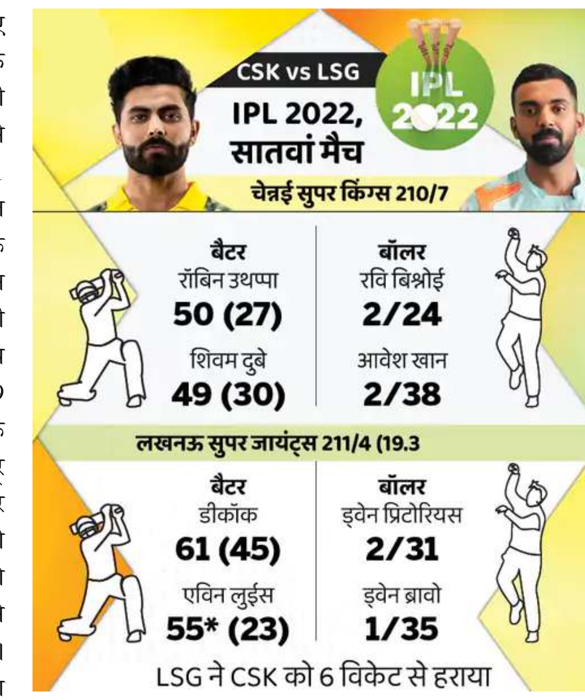

ब्रेबोर्न स्टेडियम में गुरुवार को हुए IPL के 7वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) ने अपनी पहली जीत हासिल की। उसने चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के 211 के टारगेट को 20वें ओवर में हासिल कर लिया। लखनऊ की जीत के स्टार रहे एविन लुईस जिन्होंने इस सीजन की फास्टेस्ट फिफ्टी जड़ी और 55 रन बनाए। उनका साथ दिया यंगस्टर बदोनी ने, जिन्होंने 9 गेंदों में 19 रन की पारी खेली। एक वक्त मैच लखनऊ की पकड़ से दूर लग रहा था, लेकिन लुईस और बदोनी ने 13 गेंदों में 40 रन की पार्टनरशिप कर 211 के टारगेट को छोटा बना दिया। चेन्नई की ओर से ड्वेन प्रिटोरियस ने 2 विकेट लिए। चेन्नई की तरफ से रन रॉबिन उथप्पा (50) और शिवम दुबे (49) ने बनाए। 1. लुईस ने लगाई सीजन की फास्टेस्ट फिफ्टी लखनऊ की जीत में बड़ा रोल लुईस ने प्ले किया। कैरेबियाई खिलाड़ी ने विस्फोटक पारी खेलते हुए 23 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए। उन्होंने शिवम दुबे की गेंद पर सिक्स लगाकर केवल 23 गेंदों पर फिफ्टी पूरी की। यह इस सीजन का सबसे तेज अर्धशतक रहा। उन्होंने 19वें ओवर में 25 रन जड़कर मैच का पासा पलट दिया।

2. मलिंगा से आगे निकले ब्रावो

चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार खिलाड़ी ड्वेन ब्रावो IPL में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ब्रावो ने दीपक हुडा को आउट कर ये रिकॉर्ड बनाया। उनसे पहले इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड मुंबई इंडियंस के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा (170) के नाम पर दर्ज था। 3. डीकॉक की शानदार फिफ्टी लखनऊ के ओपनर क्विंटन डीकॉक ने 135.56 के स्ट्राइक रेट से 61 रन बनाए। IPL में ये उनका 17वां अर्धशतक रहा। अपनी पारी में अनुभवी विकेटकीपर ने 9 चौके जमाए। डीकॉक ड्वेन प्रिटोरियस की गेंद पर आउट हुए और उनका कैच धोनी ने पकड़ा।

4. ABD से आगे निकले MSD

धोनी 19वें ओवर में बैटिंग के लिए आए और उन्होंने छक्के के साथ अपना खाता खोला। इसके साथ ही वह IPL के 19वें ओवर में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी भी बन गए। 19वें ओवर में माही अबतक 36 छक्के लगा चुके हैं। RCB के पूर्व स्टार एबी डिविलियर्स ने भी 36 छक्के लगाए थे। तीसरे नंबर पर आंद्रे रसेल (26) और चौथे पर कीरोन पोलार्ड (24) का नाम आता है। मैच में धोनी ने 6 गेंदों पर नाबाद 16 रन बनाए। अपनी पारी का 15वां रन बनाने के साथ ही उन्होंने टी-20 फॉर्मेट में अपने 7,000 रन भी पूरे कर लिए। धोनी इस फॉर्मेट में 7 हजार रन बनाने वाले भारत के छठे खिलाड़ी बने। उनसे पहले विराट कोहली (10326), रोहित शर्मा (9936), शिखर धवन (8818), रॉबिन उथप्पा (7120) के नाम आते हैं। साथ ही IPL हिस्ट्री में धोनी ने पहली बार छक्के से खाता खोला। 5. CSK ने अहम मौके पर छोड़े 2 कैच चेन्नई ने पहले 10 ओवर के अंदर लखनऊ के दो आसान कैच टपकाए। पहला कैच मोईन अली ने छठे ओवर में ड्रॉप किया।

पाकिस्तान ने चेज किया 348 रन का टारगेट:बाबर आजम-इमाम उल हक ने जड़ा शानदार शतक, ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से मिली हार, सीरीज 1-1 से बराबर

पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच लाहौर में खेले गए दूसरे वनडे में पाक टीम ने इतिहास रच दिया। पाक टीम ने 348 रन के टारगेट को सिर्फ चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। मैच में पाकिस्तान की ओर से बाबर आजम और इमाम उल हक ने शानदार शतक जड़े। इमाम ने फखर जमान के साथ पहले विकेट के लिए 118 रन और बाबर आजम के साथ दूसरे विकेट के लिए 111 रन की साझेदारी की। फखर जमान के बल्ले से भी 67 रन निकले। इस जीत के साथ ही सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है। इमाम उल हक ने 97 गेंद पर 106 रन की पारी खेली। वहीं, कप्तान बाबर आजम के बल्ले से सिर्फ 83 गेंद पर 114 रन निकले। पिछले मैच में पाकिस्तान की हार के बाद टीम की काफी आलोचना हुई थी। ऑस्ट्रेलिया के लिए बेन मैक्डर्मोट ने जड़ा डेब्यू मैच में शतक ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेन मैक्डर्मोट ने अपने करियर का पहला शतक लगाया। ट्रेविस हेड के साथ उनकी शतकीय साझेदारी के कारण ही टीम आठ विकेट पर 348 रन का बड़ा स्कोर बना पाई। सिर्फ चौथा मैच खेल रहे मैक्डर्मोट ने 108 गेंद में 10 चौकों और चार छक्कों की मदद से 104 रन बनाए। उनके अलावा हेड ने 70 गेंद में 89 रन की पारी खेली। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी हुई। मार्नस लाबुशेन के बल्ले से भी 59 रन निकले। ऑस्ट्रेलिया ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा इससे पहले 1998 में पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने कराची में आठ विकेट पर 324 रन बनाए थे।

साउथ अफ्रीका को हराकर फाइनल में पहुंचा इंग्लैंड

इंग्लैंड की टीम ICC महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गई है। क्राइस्टचर्च में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मैच में इंग्लैंड की टीम ने साउथ अफ्रीका को 137 रनों से हराकर फाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही अफ्रीकी टीम एक बार फिर से फाइनल में जगह बनाने से चूक गई है। साउथ अफ्रीकी टीम पुरुष और महिला वर्ग में आज तक टी-20 और वनडे के फाइनल में नहीं पहुंच पाई है। फाइनल में इंग्लैंड का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के साथ होगा।

देश परदेश

दो दिन के भारत दौरे पर रूसी विदेश मंत्री:PM मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर से होगी मुलाकात; क्रूड ऑयल और रुपया-रुबल पेमेंट सिस्टम पर रहेगा फोकस

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव दो दिन के आधिकारिक भारत दौरे पर गुरुवार को भारत पहुंचे। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि लावरोव शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे। हालांकि, नई दिल्ली में लावरोव की मीटिंग को लेकर विदेश मंत्रालय की ओर से जारी मीडिया एडवाइजरी में PM मोदी के साथ उनकी मुलाकात का जिक्र नहीं है। माना जा रहा है कि लावरोव की विदेश मंत्री जयशंकर से बातचीत के दौरान दो प्रमुख मुद्दों पर फोकस रहेगा। रूस से किफायती दरों पर क्रूड ऑयल की खरीद और बाइलैटरल ट्रेड के लिए रुपया-रूबल पेमेंट सिस्टम पर सहमति बन सकती है। रूस-यूक्रेन जंग के दौरान रूसी विदेश मंत्री की यह पहली भारत यात्रा है। भारत रूसी मिलिट्री इक्विपमेंट्स सहित S-400 मिसाइल सिस्टम के पार्ट्स की समय पर डिलीवरी के लिए भी दबाव बना सकता है। बता दें कि रूसी विदेश मंत्री चीन की दो दिन की यात्रा के बाद भारत पहुंचे हैं। लावरोव का यह दौरा उस समय हो रहा है जब भारत के साथ के लिए अमेरिका के डिप्टी NSA दलीप सिंह और ब्रिटेन की विदेश सचिव एलिजाबेथ ट्रस भी भारत दौरे पर हैं। PM मोदी ने 24 फरवरी, 2 मार्च और 7 मार्च को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन फोन पर बातचीत की थी। प्रधानमंत्री यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से भी दो बार बात कर चुके हैं। रूस की आलोचना से परहेज

भारत ने वैश्विक मंचो पर यूक्रेन में सीजफायर रोकने की बात दोहरा चुका है, लेकिन UN सिक्योरिटी काउंसिल की मीटिंग में रूस के खिलाफ वोटिंग से परहेज किया है। भारत ने हमले को लेकर रूस की आलोचना तक नहीं की है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन भी कह चुके हैं कि रूस के खिलाफ कार्रवाई करने में भारत की स्थिति स्पष्ट नहीं है। छूट पर क्रूड बेचने की पेशकश पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का सामना कर रहे रूस भारत को सस्ते दाम पर कच्चा तेल बेचना चाहता है। रूस ने अंतरराष्ट्रीय कीमत से 35 डॉलर प्रति बैरल की छूट पर क्रूड बेचने की पेशकश की है। सूत्रों के मुताबिक अभी इस मसले पर दोनों पक्षों के बीच विचार-विमर्श चल रहा है। अभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के पहले के मुकाबले 10% महंगा चल रहा है। यूक्रेन पर हमले से ठीक एक दिन पहले यानी 23 मार्च को ब्रेंट क्रूड 96.84 डॉलर प्रति बैरल था। गुरुवार को कीमत 106.85 डॉलर रही। तेल खपत में अमेरिका और चीन के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। भारत अपनी जरूरत का 80% तेल आयात करता है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में सुधार की संभावना

भारत ने साल 2021 में रूस से 1.20 करोड़ बैरल तेल इंपोर्ट किया था। हालांकि, यह भारत के कुल इंपोर्ट का महज 2% था। आगर भारत रूस से क्रूड लेता है तो पेट्रोल-डीजल की रिटेल कीमतों पर पड़ रहे दबाव में कमी आ सकती है।

रूस चाहता है कि भारत इस साल के लिए कॉन्ट्रेक्ट के आधार पर 1.5 करोड़ बैरल तेल उससे खरीदे। इसके लिए सरकारी स्तर पर बातचीत चल रही है। हालांकि इस करार में यह शर्त भी है कि इंडियन ऑयल रूस से क्रूड तभी खरीदेगी, जब सस्ता पड़े। डिस्काउंट को जोड़ें तो ढुलाई खर्च बढ़ने के बावजूद भारत को रूसी क्रूड खरीदना फायदेमंद होगा।

अप्रैल में छिनी 3 पाकिस्तानी PM की कुर्सी:इसी महीने में पद से हटे थे ख्वाजा निजामुद्दीन, गिलानी और शरीफ; क्या अब इमरान की बारी?

पाकिस्तान में इमरान खान की कुर्सी रहेगी या जाएगी, इस पर रविवार यानी 3 अप्रैल को फैसला होगा। अगर इमरान की सरकार जाती है, तो पाकिस्तान में ऐसा चौथी बार होगा, जब अप्रैल के महीने में प्रधानमंत्री को कुर्सी छोड़नी होगी। पाकिस्तान में इससे पहले ख्वाजा निजामुद्दीन, मियां नवाज शरीफ और युसूफ रजा गिलानी को अप्रैल महीने में ही पद से हटना पड़ा था। रोचक बात यह है कि तीनों की कुर्सी अलग-अलग वजहों से गई, लेकिन वक्त कमोवेश एक ही था यानी अप्रैल का महीना।

ख्वाजा निजामुद्दीन

ख्वाजा निजामुद्दीन पाकिस्तान के दूसरे प्रधानमंत्री थे। लियाकत अली खान की हत्या के बाद उन्होंने सत्ता संभाली थी, लेकिन करीब डेढ़ साल में ही उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था। तत्कालीन गवर्नर जनरल मलिक गुलाम मुहम्मद ने 17 अप्रैल 1953 को निजामुद्दीन की सरकार को बर्खास्त करके डिप्लोमेट रहे मोहम्मद अली बोगरा को प्रधानमंत्री बना दिया था। गवर्नर जनरल मलिक ने उस वक्त लाहौर में हुए दंगों और आर्थिक हालात का आधार बनाते हुए सरकार को भंग कर दिया था। इसके खिलाफ निजामुद्दीन कोर्ट भी गए, लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली थी।

नवाज शरीफ बेनजीर भुट्टो की सरकार को अपदस्थ करने के बाद 1990 में पाकिस्तान में चुनाव हुए। इस चुनाव में नवाज शरीफ की पार्टी गठजोड़ के जरिए सत्ता में आई। शरीफ प्रधानमंत्री बने, लेकिन 3 साल में ही तत्कालीन राष्ट्रपति गुलाम इशाक खान से शरीफ की तकरार हो गई, जिसके बाद उन्होंने नेशनल असेंबली को भंग कर दिया। शरीफ ने 18 अप्रैल 1993 को इस्तीफा दिया था।

हालांकि, शरीफ ने दो महीने बाद फिर से प्रधानमंत्री का जिम्मा संभाल लिया, लेकिन इस बार सेना के दबाव में उन्हें सरकार से हटना पड़ा। इसके बाद पाकिस्तान में चुनाव कराए गए, जिसमें बेनजीर भुट्टो की सत्ता में वापसी हुई।

युसूफ रजा गिलानी

25 मार्च 2008 को पाकिस्तान के 24वें प्रधानमंत्री बने युसूफ रजा गिलानी की कुर्सी भी अप्रैल में गई थी। गिलानी को पाकिस्तान के सुप्रीम अदालत ने अवमानना मामले में अयोग्य ठहराया था, जिसके बाद उन्हें 25 अप्रैल 2012 का प्रधानमंत्री का पद छोड़ना पड़ा था। गिलानी पर आरोप था कि कोर्ट के आदेश के बावजूद उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के खिलाफ दायर भ्रष्टाचार के मामले खोलने के लिए स्विस अधिकारियों को पत्र नहीं लिखा। गिलानी के हटने के बाद परवेज अशरफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने थे।

अब इमरान की बारी?

विपक्षी दलों की ओर से मोर्चा खोलने के बाद इमरान खान 3 अप्रैल को नेशनल असेंबली में बहुमत साबित करेंगे। इसी बीच इमरान खान की गठबंधन सरकार से दो दलों ने समर्थन वापस ले लिया है, इससे उनकी विदाई तय मानी जा रही है। हालांकि, संसद में बहुमत गंवा चुके इमरान खान अब भी सरकार बचाने की कोशिशों में जुटे हैं। खान ने कहा कि मैं खिलाड़ी रहा हूं और अंतिम गेंद तक हार नहीं मानूंगा।

पाकिस्तान में 7 कार्यवाहक और 22 प्रधानमंत्री रह चुके

14 अगस्त 1947 को भारत से अलग होकर बने पाकिस्तान में अब तक 22 प्रधानमंत्री रह चुके हैं, लेकिन कोई पीएम अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया है। सबसे ज्यादा दिन तक नवाज शरीफ प्रधानमंत्री रहे, जबकि चौधरी सुजात हसन सबसे कम दिन के लिए पीएम रहे हैं। पाकिस्तान में अब तक 7 कार्यवाहक प्रधानमंत्री रह चुके हैं।

रूस-यूक्रेन जंग रोकने भारत का 'जयशंकर फार्मूला' :तुर्की में शांति वार्ता, लेकिन रणनीति दिल्ली में बन रही; भारत की दो टूक- अपने हितों से समझौता नहीं करेंगे

यूक्रेन और रूस के बीच जंग रोकने के प्रयास के लिए शांति वार्ता तुर्की के इस्तांबुल में चल रही है लेकिन इसकी पूरी कूटनीतिक तैयारियों का केंद्र नई दिल्ली बना हुआ है। पिछले 10 दिन में 7 देशों के विदेश मंत्री और सुरक्षा सलाहकार भारत आ चुके हैं। भारत को अपने साथ लेने के लिए पूरा जोर लगाया हुआ है।

अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और यूनान तक के नेताओं ने इसके लिए भारत में हाजिरी लगाई है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचे। वे आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बाद रूसी विदेश मंत्री का यह दौरा भारत के अगले कूटनीतिक कदम की दिशा तय करने में मायने रखता है। जयशंकर फार्मूला नाम से जानी गई भारतीय कूटनीति अंतरराष्ट्रीय ताकतों के बीच संतुलन साधने पर केंद्रित है। अगले हफ्ते की जी-7 की बैठक के लिए भारतीय समर्थन जरूरी है। क्या है जयशंकर फार्मूले की शर्तें रूस यूक्रेन जंग के शांतिपूर्ण समाधान के लिए तुरंत संघर्ष विराम पहली शर्त है। संघर्ष-विराम सैन्य स्तर पर ही नहीं बल्कि साइबर हमले, सूचना युद्ध, बयानों से हो रहे हमले इसमें शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय कानूनों और यूएन चार्टर का पूरा सम्मान हो और कोई भी समाधान उसके दायरे में हो।

हर राष्ट्र की क्षेत्रीय अखंडता और सार्वभौमिकता का सम्मान किया जाए। हर देश के लोकतांत्रिक और मानवाधिकारों का हर हाल में सम्मान किया जाए और उनके आर्थिक हितों की रक्षा भी की जाए।

निर्माता सुमीन भट ने अपने बैनर फिमी प्रोडक्शंस के तहत बने हिंदी म्यूजिक वीडियो में विशाल वर्मा को किया लॉन्च

निर्माता सुमीन भट के बैनर फिमी प्रोडक्शंस तले निर्मित म्यूज़िक वीडियो और फीचर फिल्में में नए कलाकारों को अधिक मौका दिया जाता है। सुमीन का यह मानना है कि हर व्यक्ति शुरू में नया कलाकार होता है और फिर बाद में वह अनुभवी आर्टिस्ट बनता है। इसमें कब कौन बड़ा स्टार बन जाएगा कोई नहीं जानता, इसलिए नए कलाकारों को ज्यादा अवसर दिया जाना चाहिए।

राजस्थान के मध्यम वर्गीय परिवार से सम्बन्ध रखने वाले एक प्रतिभाशाली अभिनेता विशाल वर्मा जब 11वीं कक्षा में पढ़ते थे वह तब से अभिनेता बनने का ख़्वाहिश रखते आ रहे हैं। उन्हें सुमीन भट्ट के एक आने वाले नए म्यूज़िक एल्बम "यूं बेकरारी" में कास्ट किया गया है, जिसका पोस्ट प्रोडक्शन का काम पूरा हो चुका है और जल्द ही रिलीज़ होगा। गौरतलब है कि एक अभिनेता के रूप में विशाल वर्मा का पहला प्रोजेक्ट भी सुमीन भट के साथ था जिसका नाम बेपनाह मोहब्बत था जो गायक फैजल सुलेमान द्वारा गाया हुआ एक म्यूज़िक एल्बम है। यह प्रोजेक्ट फिमी प्रोडक्शंस फिमी प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया गया था और इसे युवाओं द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। इनका दूसरा एल्बम जल्द ही आ रहा है जिसका नाम है यूं बेकरारी, जिसे गायक अमन श्रीवास्तव और प्रिया पांडे ने गाया है, जिन्होंने गीत के बोल भी लिखे हैं और संगीत सुयश गुप्ता ने दिया है।

विशाल वर्मा तीन और म्यूज़िक वीडियो और एक वेब सीरीज में अभिनय करेंगे, जिसके बारे में जल्द ही डिटेल्स सामने आएगी।

विशाल का कहना है कि अभिनय अपने आप में एक बड़ी चुनौती है और इसे दिल से करना चाहिए। इसके लिए मैं एक बंद कमरे में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की कोशिश करता हूं और अपने दोस्तों के साथ एक्टिंग वर्कशॉप भी करता रहता हूं।

विशाल वर्मा शाहरुख खान और आयुष्मान खुराना को अपना पसंदीदा एक्टर मानते हैं और इनसे बहुत कुछ सीखते भी हैं। निर्देशक संजय लीला भंसाली, एसएस राजामौली की फ़िल्म मेकिंग से वह बहुत ज़्यादा प्रभावित रहे हैं और इनके साथ काम करने की ख्वाहिश रखते हैं।

विशाल वर्मा अपने दूसरे गीत यूं बेकरारी को लेकर हद से ज्यादा उत्साहित हैं, जिसके अप्रैल में रिलीज होने की उम्मीद है।

हिमाचल प्रदेश के रियाज़ मीर कास्टिंग डायरेक्टर से बने निर्देशक, सुमीन भट का म्यूजिक वीडियो किया डायरेक्ट

प्रोड्यूसर सुमीन भट का प्रोडक्शन हाउस फिमी प्रोडक्शंस नई प्रतिभाओं को लांच करने के मामले में काफी आगे है। यह बैनर अपने प्रोजेक्ट्स में न सिर्फ फ्रेश एक्टर्स को अवसर देता है बल्कि नए निर्देशक को भी चांस देता है।

हिमाचल प्रदेश के रहने वाले रियाज़ मीर कास्टिंग डायरेक्टर के रूप में काम करते आ रहे हैं। हालांकि डायरेक्शन का उन्होंने कहीं कोई कोर्स नहीं किया पर कुछ जाने माने निर्देशक के साथ काम करके निर्देशन की बारीकियों को सीखा है।

बतौर डायरेक्टर उनका पहला प्रोजेक्ट फिमी प्रोडक्शंस का म्यूज़िक वीडियो "तू धूप मैं धुआं" है। इसी बैनर तले उनके और भी कई म्यूज़िक वीडियो आने वाले हैं। जिनके नाम हैं "यूं बेकरारी" और "दिल रोए रोए जाए" इत्यादि।

रियाज़ मीर मानते हैं कि डायरेक्शन बड़ी ज़िम्मेदारी वाला काम है, आप को हर एक बात का ध्यान रखना होता है। कहानी, कास्टिंग, म्यूज़िक, लोकेशन से लेकर शॉट के निर्देशन तक चुनौतियों से भरा काम होता है।

बॉलीवुड के डायरेक्टर्स में उनके फेवरेट संजय लीला भंसाली है, जिनसे वह इंस्पायर होते हैं। साथ ही रोहित शेट्टी का स्टाइल भी उन्हें पसन्द है और वह एक्शन फिल्म डायरेक्ट करना चाहते हैं।

वह एक वेब फ़िल्म पर भी काम कर रहे हैं जिसकी जल्द घोषणा की जाएगी। यह सुमीन भट के फिमी प्रोडक्शंस के बैनर तले बनने वाली है।

रियाज़ मीर ने बताया कि म्यूज़िक वीडियो में बतौर डायरेक्टर काम करके मजा आया। यह मजेदार और चैलेंजिंग भी रहा क्योंकि इसमें सबकुछ एक सीमित समय मे करना होता है।

मुझे लगता है कि डायरेक्टर को अब फ़िल्म निर्माता, प्रोडक्शन हाउस और दर्शक भी अधिक अहमियत देने लगे हैं, ऐसा होना भी चाहिए क्योंकि पूरा प्रोजेक्ट एक डायरेक्टर के कंधों पर होता है। मैं समझता हूं कि परफेक्ट डायरेक्शन वह है जिसके जरिये आप दर्शकों तक अपना मैसेज पहुंचा सकें, क्योंकि एक कहानी को फ़िल्म के पर्दे पर उतारना बहुत ही मुश्किल होता है।

फिल्मी दुनिया में कलाकार डायरेक्टर के काम मे दखलंदाजी करते हैं,

मगर जब उन्हें पता होता है कि क्रिएटिव डायरेक्टर है तो फिर वह ज़्यादा दखलंदाजी नहीं करते। वैसे एक्टर्स का पॉइंट ऑफ व्यू सुनने में कोई हर्ज नहीं है, कभी कभी कुछ आईडिया आपको भी अच्छा लगता है।

आजकल के म्यूज़िक वीडियो में भी एक स्टोरी, एक कॉन्सेप्ट प्रस्तुत किया जाता है, वह इसे काफी अच्छा ट्रेंड मानते हैं। वह बताते हैं कि मेरी भी यही कोशिश रहती है कि मेरे हर वीडियो में एक स्टोरी हो। जैसे मैंने अपने दोनों गीतों तू धूप मैं धुआं और "यूं बेकरारी" में मैंने एक अलग ही कांसेप्ट पेश किया है।

अभिषेक बच्चन ने की 'द कश्मीर फाइल्स' की तारीफ, कहा- 'किसी के मुंह से नहीं सुनी फिल्म की बुराई'

फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' का जादू रिलीज के बाद तीसरे सप्ताह में भी लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म की कमाई का सिलसिला लगातार जारी है। फिल्म की तारीफ नेता से लेकर अभिनेता तक हर कोई कर रहा है। हाल ही में कई बॉलीवुड सेलेब्रिटीज ने इस फिल्म की सराहना की है। अब इस लिस्ट में अभिषेक बच्चन का नाम भी शामिल हो गया है। जूनियर बच्चन ने कहा है कि 'अगर फिल्म अच्छी नहीं होती तो चलती ही नहीं।' अभिषेक की तारीफ पर फिल्म के डायेक्टर विवेक अग्निहोत्री ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अभिषेक को शुक्रिया कहा है। एक न्यूज चैनल से बातचीत के दौरान अभिषेक ने 'द कश्मीर फाइल्स' पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जब फिल्म अच्छी होती है, तभी लोग देखना पसंद करते हैं, वरना फिल्म बिल्कुल भी नहीं चलती। अभिषेक ने बताया कि उन्होंने किसी के मुंह से नहीं सुना कि यह फिल्म बुरी है।

हालांकि बातचीत के दौरान उन्होंने यह साफ कर दिया कि वह अब इस फिल्म को नहीं देख सकेंगे। एक्टर की इस तारीफ से फिल्म के निर्माता-निर्देशक भी खुश हैं। उन्होंने अभिषेक का वीडियो साझा करके उनका शुक्रिया अदा किया है।

फिल्म दसवीं में दिखेंगे अभिषेक

अभिषेक बच्चन जल्द ही फिल्म 'दसवीं' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह एक मुख्यमंत्री की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं, जो भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद हैं। जेल में रहने के दौरान ही वह हाई स्कूल पास करने का फैसला कर लेते हैं।

फिल्म में अभिषेक के अलावा निम्रत कौर और यामी गौतम भी हैं। फिल्म दसवीं को रितेश शाह, सुरेश नायर और संदीप लेजेल ने लिखा है। वहीं इस फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा ने किया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में न रिलीज कर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएगी। इसे नेटफ्लिक्स और जियो पर सात अप्रैल से स्ट्रीम किया जा सकता है।

करीना कपूर ने पति सैफ को दी चेतावनी, बोलीं- चार बच्चों के बाद अब फिर से पिता बनने की सोचना भी मत

करीना कपूर और सैफ अली खान बॉलीवुड के पावर कपल माने जाते हैं। दोनों की लव स्टोरी हमेशा चर्चा में रहती हैं और दोनों को एक साथ देखकर भी फैंस काफी खुश होते हैं। सैफ अली खान चार बच्चों के पिता हैं। करीना कपूर से सैफ को दो बच्चे तैमूर अली खान और जहांगीर अली खान हैं। इससे पहले सैफ को अपनी पहली पत्नी अमृता सिंह से दो बच्चे सारा अली खान और इब्राहिम अली खान हुए हैं। वहीं, अब करीना कपूर ने पति सैफ को पांचवें बच्चे के लिए एक चेतावनी दे डाली है। अभिनेत्री ने बेबी प्लानिंग पर अपनी राय रखी है। दरअसल, करीना कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें अभिनेत्री ने अपनी पर्सनल लाइफ पर खुलकर बात की है। इस दौरान करीना ने सैफ के पांचवीं बार पिता बनने पर अपनी राय रखी है। करीना कपूर ने अपने इंटरव्यू में एक मजेदार किस्सा सुनाते हुए कहा, 'सैफ अली खान को हर दशक में एक बच्चा होता है। जब वह 20 के थे तब सारा हुई, 30 की उम्र में इब्राहिम हुए, 40 में तैमूर और अब 50 में जेह। इसलिए अब मैंने उनसे कहा कि 60 की उम्र में ऐसा सोचना भी मत। मेरा मानना ये है कि सैफ अपने चारों बच्चों को बेहद प्यार करते हैं और अपना पूरा समय देते हैं।' सैफ अली खान की पर्सनल लाइफ सैफ अली खान की पहली शादी अमृता सिंह से साल 1991 में हुई थी। दोनों का रिश्ता 13 साल तक चला। साल 2004 में दोनों अलग हो गए। इसके बाद सैफ अली खान ने खुद से 10 साल छोटी करीना कपूर से शादी की। दोनों ने साल 2012 में शादी रचाई थी। दोनों की शादी बॉलीवुड इंडस्ट्री में काफी चर्चाओं में रही थी। अमृता से सैफ को दो बच्चे (सारा और इब्राहिम) और करीना से भी दो बच्चे (तैमूर और जेह) हैं। सैफ के चारों बच्चों में काफी अच्छा रिश्ता है। सारा अली खान अक्सर अपने तीनों भाई के साथ तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। वहीं, सैफ भी अपने चारों बच्चों को पूरा समय देते हैं। इन फिल्मों में नजर आएंगे सैफ और करीना सैफ अली खान जल्द ही प्रभास के साथ फिल्म 'आदिपुरुष' में नजर आएंगे। इस फिल्म में सैफ 'रावण' के किरदार में दिखाई देंगे। इसके अलावा, वह 'विक्रम वेधा' में ऋतिक रोशन के साथ भी नजर आएंगे। वहीं, करीना कपूर फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में आमिर खान के साथ नजर आने वाली हैं।

अभिषेक बच्चन की फिल्म दसवीं का नया गाना रिलीज, गंगा राम ने 'ठान लिया' पूरा करेंगे अधूरा सपना

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दसवीं के प्रमोशन में जुटे हैं। दसवीं एक ऐसे शख्स की कहानी है जो भ्रष्टाचार में लिप्त होकर जेल जाता है और फिर जेल से ही दसवीं की परीक्षा देता है। अभिषेक बच्चन इन दिनों इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा में है। इसी बीच मेकर्स ने अपकमिंग फिल्म दसवीं का नया गाना रिलीज कर दिया है। इस गाने का नाम है 'ठान लिया।'

इस गाने में अभिषेक बच्चन दसवीं क्लास की परीक्षा के लिए पढ़ाई करते हुए दिखाई दे रहे हैं। गाने में देखा जा सकता है कि अभिषेक बच्चन दिन-रात एक करके मेहनत से अपना सारा ध्यान परीक्षा के लिए लगा रहे हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर भी लांच किया जा चुका है। जिसमें अभिषेक बच्चन दमदार भूमिका में दिखाई दिए थे। अभिषेक बच्चन के अलावा इस फिल्म में यामी गौतम एक सख्त पुलिस ऑफिसर की भूमिका में और निमरत कौर अभिषेक बच्चन की पत्नी और बिमला देवी के किरदार में नजर आएंगी।

ट्रेलर में अभिषेक का लुक काफी कमाल लगा है और वह अपने सपने को लेकर डेडिकेशन के साथ पढ़ाई कर रहे हैं।

इस फिल्म में एक ऐसे मुख्यमंत्री गंगाराम की कहानी दिखाई गई है, जो भ्रष्टाचार के बाद जेल चला जाता है। वहां उसके तौर-तरीके से सभी उसपर हंसते हैं और उसे गंवार भी कहने लगते हैं। ये बात गंगाराम को बहुत बुरी लगती है और वह दसवीं की परीक्षा देने की ठान लेता है और अपने अधूरे सपने को पूरा करने में जुट जाता है।

रॉकी के चाहने वालों के लिए जबर खुशखबरी, सिनेमाघरों में इस दिन फिर से रिलीज होने जा रही 'केजीएफ चैप्टर वन'

फिल्म 'अटैक पार्ट वन' के बाद दो हफ्ते तक किसी बड़ी फिल्म की रिलीज तय न होने का फायदा अब फिल्म 'केजीएफ' के निर्माता उठाने जा रहे हैं। कन्नड़ सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी हिट फिल्म बन चुकी 'केजीएफ चैप्टर वन' फिर से रिलीज होने जा रही है और वह भी पहली बार घटी दरों पर। फ्रेंचाइजी फिल्म सीरीज की नई कड़ी की रिलीज से पहले पिछली फिल्म को घटी दरों पर दिखाने का ये प्रयोग अनूठा है। देश में पुरानी फिल्मों को फिर से रिलीज करने की सिने इतिहास में लंबी परंपरा को मल्टीप्लेक्स मालिकों ने बंद कर दिया था। एक जमाना ऐसा भी रहा है जब पुरानी हिट फिल्में घटी दरों पर रिलीज होने पर भी नई फिल्मों से ज्यादा कमाई बॉक्स ऑफिस पर कर लिया करती थीं।

दो घंटे 48 मिनट की फिल्म

'केजीएफ 2' या कहें कि 'केजीएफ चैप्टर 2' को लेकर देश विदेश में बने माहौल के बीच शुक्रवार को फिल्म के सेंसर से पास होने की खबर आई और साथ ही जानकारी ये भी मिली कि इस फिल्म को सेंसर से यूए सर्टिफिकेट मिला है। फिल्म की अवधि करीब दो घंटे 48 मिनट बताई जा रही है। 'केजीएफ' दो घंटे 35 मिनट लंबी पिक्चर थी और इसने अपनी रिलीज पर करीब सवा दो सौ करोड़ रुपये की कमाई दुनिया भर में की थी।

यश 1 अप्रैल से देश भ्रमण पर

फिल्म 'केजीएफ 2' का माहौल अभी से बनना शुरू हो गया है जबकि फिल्म को रिलीज होने में अभी दो हफ्ते बाकी है। फिल्म के मुख्य अभिनेता 1 अप्रैल से ही फिल्म के प्रचार के लिए देशव्यापी भ्रमण पर निकल रहे हैं। शुक्रवार को वह दिल्ली में लोगों से मिलेंगे। वहां की मीडिया के लिए भी उनकी टीम ने काफी बड़ा प्लान इंटरव्यूज आदि के लिए बनाया है। यश ने भी इस बीच काफी अच्छी हिंदी सीखी है और वह कोशिश करते हैं कि हिंदी में बोलने वाले पत्रकारों के जवाब हिंदी में ही दें। 8 अप्रैल को रिलीज होगी 'केजीएफ 1' यश की उत्तर भारत में लोकप्रियता और 'केजीएफ' फ्रेंचाइजी की दोनों फिल्मों की रिलीज के बीच कोरोना संक्रमण के चलते बने लंबे अंतराल को देखते हुए इसके निर्माताओं ने दर्शकों को 'केजीएफ 2' से पहले की कहानी फिर से याद दिलाने के लिए पहली फिल्म को फिर से रिलीज करने का फैसला किया है। ये फिल्म सभी मुख्य भारतीय भाषाओं में 8 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। खास बात ये रहेगी कि इस फिल्म को दिखाने वाले सिनेमाघर अपनी टिकटों के रेट आम दिनों की अपेक्षा काफी कम रखेंगे। सिनेमा की भाषा में इसे किसी फिल्म का 'घटी दरों पर' रिलीज होना कहते हैं।

कोलाबा से कोलार गोल्ड फील्ड्स तक

'केजीएफ' सीरीज की कहानी मुंबई में पले बढ़े रॉकी की कहानी है। गरीबी में पैदा हुआ और अपराधियों के बीच रहते हुए बेखौफ कातिल बना रॉकी पहली फिल्म में मुंबई के पूरे माफिया पर कब्जा कर लेता है। इसके बाद वह निकलता है कोलार गोल्ड फील्ड्स (केजीएफ) की तरफ और वहां मजदूरों के तरह रहकर तैयारी करता है इन खानों के भविष्य के उत्तराधिकारी गरुण को मारने की। फिल्म के दूसरे संस्करण में कहानी इन्हीं खानों में रहते हुए रॉकी के गरीबों का मसीहा बनने की है। फिल्म में यश के साथ श्रीनिधि शेट्टी और प्रकाश राज के अलावा संजय दत्त और रवीना टंडन भी हैं। फिल्म कन्नड़ के साथ साथ हिंदी, तमिल, तेलुगू और मलयालम में भी रिलीज होने जा रही है।

'अटैक' से पहले इन फिल्मों में जॉन ने उड़ाए दुश्मनों के छक्के, ओटीटी पर करें बिंजवॉच

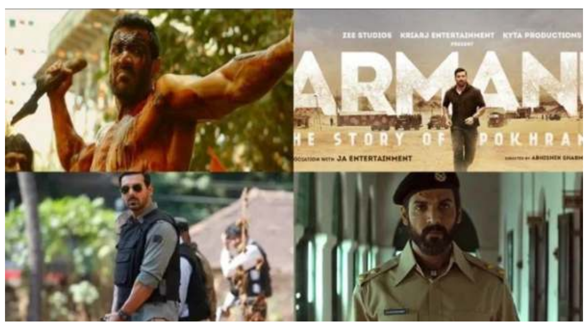

जॉन अब्राहम का नाम बॉलीवुड के वर्सेटाइल अभिनेताओं की लिस्ट में शामिल है। वह अपनी फिल्मों में कॉमेडी, रोमांस से लेकर एक्शन तक सब कुछ दिखाते हैं। हालांकि, जॉन अब्राहम ने अपनी फिल्मों में अब खासा बदलाव किया है। अब वह देशभक्ति और संजीदा मुद्दों की फिल्में ला रहे हैं। इन दिनों जॉन अपनी फिल्म 'अटैक' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं, जो आज यानी एक अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म की कहानी एक ऐसी दुनिया पर आधारित है, जहां आने वाले समय में युद्ध प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से लड़े जाएंगे। कुल मिलाकर जॉन की यह फिल्म देशभक्ति पर आधारित है। जॉन इससे पहले भी देशभक्ति पर फिल्में ला चुके हैं, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया। आइए आपको उन फिल्मों के बारे में बताते हैं। इन फिल्मों को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी देख सकते हैं। मद्रास कैफे

'मद्रास कैफे' जॉन अब्राहम के करियर की पहली ऐसी फिल्म थी, जो देशभक्ति पर आधारित थी। साल 2013 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन शूजित सरकार ने किया था। इस फिल्म में जॉन अब्राहम के साथ नरगिस फाखरी, राशि खन्ना और लीना पॉल दिखाई दी थीं। फिल्म में जॉन ने विक्रम सिंह का किरदार निभाया था, जो इंटेलिजेंस एजेंट होता है। कहानी मे पॉलिटिकल ड्रामा भी है। हालांकि, इससे पहले जॉन साल 2011 में 'फोर्स' भी लेकर आए थे, जिसमें अभिनेता नारकोटिक्स टीम के हेड के किरदार में थे। फिल्म की कहानी लव एंगल पर थी। फिल्म 'मद्रास कैफे' नेटफ्लिक्स पर मौजूद है।

परमाणु: द स्टोरी ऑफ पोखरण

'परमाणु: द स्टोरी ऑफ पोखरण' साल 2018 में रिलीज हुई थी, जिसमें भारत के इतिहास के सबसे गौरवान्वित पल को पर्दे पर दिखाया गया था। भारत ने साल 1998 में पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था और जॉन की फिल्म इसी मुद्दे पर आधारित थी। फिल्म में जॉन अब्राहम ने एक आईएएस अधिकारी का किरदार निभाया था और फिल्म को प्रोड्यूस भी किया था। यह फिल्म आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

सत्यमेव जयते

साल 2018 में ही जॉन अब्राहम की एक और फिल्म आई थी, जिसका नाम सत्यमेव जयते है। इस फिल्म में जॉन भ्रष्ट पुलिसवालों का खात्मा करते नजर आए थे। इस फिल्म में जॉन के साथ मनोज वाजपेयी दिखे थे। फिल्म का दूसरा पार्ट भी आया, लेकिन उसे दर्शकों का ज्यादा प्यार नहीं मिला, जितना फिल्म के पहले पार्ट को मिला था। यह फिल्म आप अमेजन प्राइम पर देख सकते हैं।

रोमियो अकबर वाल्टर

जॉन अब्राहम अब हर साल एक ऐसी फिल्म जरूर लेकर आ रहे हैं, जिसकी कहानी देशभक्ति और संजीदा मुद्दों पर होती है। साल 2019 में जॉन की फिल्म 'रोमियो अकबर वॉल्टर' आई थी, जिसमें अभिनेता ने भारतीय एजेंट का किरदार निभाया है। इस फिल्म में जॉन पाकिस्तान में घुसकर भारत के खिलाफ बन रही एक-एक योजनाओं को नाकाम करते हैं। फिल्म में जॉन के कई अवतार देखने को मिले थे। जॉन की यह फिल्म भी नेटफ्लिक्स पर है। बाटला हाउस

इस लिस्ट में फिल्म 'बाटला हाउस' का नाम भी शामिल है, जो अपने विषय को लेकर चर्चाओं में रही थी। फिल्म दक्षिणी दिल्ली के बाटला हाउस इलाके में हुए एनकाउंटर पर आधारित है। इस फिल्म में यह भी दिखाया गया कि राजनीतिक और मीडिया के दबाव की वजह से पूरे घटनाक्रम पर कैसा असर पड़ा।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और नुपुर सेनन की फिल्म 'नूरानी चेहरा' की शूटिंग पूरी

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दकी की गिनती उन अभिनेताओं में होती है, जिनकी एक्टिंग के सब मुरीद हैं। हाल ही में अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी आने वाली फिल्म 'नूरानी चेहरा' की रैप-अप पार्टी की तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनके साथ फिल्म की पूरी कास्ट नजर आ रही है। अभिनेता ने तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा कि यह 'नूरानी चेहरा' को फिल्माने की सबसे खुशी के अनुभवों में से एक है। अद्भुत सह-अभिनेताओं की वजह से यह और भी मजेदार हो गया है। आप सबसे थिएटर में मुलाकात होगी। इन तस्वीरों में पूरी कास्ट केक कटिंग करती नजर आ रही है। वहीं, नवाजुद्दीन ने नुपुर सेनन, जस्सी गिल, सोनाली सहगल और आसिफ खान के साथ भी तस्वीरें साझा की हैं।

शाहिद कपूर को आया गुस्सा, डर गए आसपास के लोग

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म जर्सी के प्रमोशन को लेकर काफी व्यस्त है। यह फिल्म जल्द ही बॉक्स ऑफिस पर दस्तक देने वाली है। फिल्म को लेकर जबरदस्त बज बना है। इस बीच शाहिद कपूर का एक वीडियो सामने आया है जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। क्या है वीडियो में... दरअसल, यह एक फनी वीडियो जो खासतौर पर रील्स के लिए बनाया गया है। वीडियो में शाहिद कॉफी के लिए चीखते नजर आ रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि शाहिद तेज आवाज में लोगों से काफी पीने के लिए पूछ रहे हैं। इस दौरान उनकी आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग डर जाते हैं। शाहिद के फैंस को यह वीडियो काफी पसंद आ रहा है। वीडियो में वह काफी मजाकिया अंदाज में नजर आ रहे हैं। वीडियो के कैप्शन में शाहिद ने लिखा, 'क्या और कोई कॉफी चाहता है?' शाहिद के वीडियो पर यूजर्स की तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। एक यूजर ने लिखा- 'तब कॉफी विद करण शो में जाओ।'

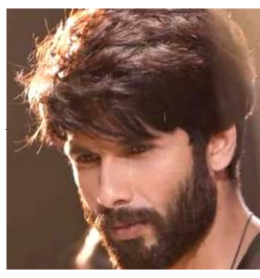

करियर विकल्प के रूप में बैचलर ऑफ वोकेशन इंटीरियर डिजाइन

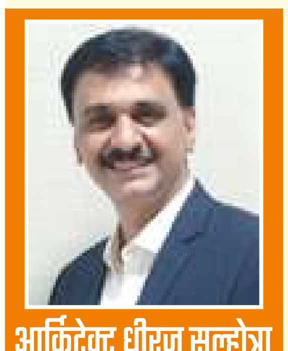

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

इंटीरियर डिजाइन में स्नातक का तीन वर्षीय डिग्री प्रोग्राम हाल ही में मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किया गया था। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के राष्ट्रीय कौशल गुणवत्ता फ्रेमवर्क दिशानिर्देशों के अनुसार कार्यक्रम। BVoc का उद्देश्य विशेष व्यापार के लिए आवश्यक पर्याप्त कौशल प्रदान करना है। पाठ्यक्रम पारंपरिक शैक्षणिक कार्यक्रमों से अलग है क्योंकि यह केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय आवेदन-आधारित अध्ययनों से अधिक संबंधित है।

पेश हैं कार्यक्रम की कुछ प्रमुख बातें:

• बी. वोक पूरा करने के बाद, आप एमबीए करने के लिए पात्र होंगे, साथ ही यूपीएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए योग्य होंगे जिनके लिए बुनियादी डिग्री की आवश्यकता होती है

•व्यावसायिक कौशल, व्यावहारिक कार्य पर ध्यान देने के साथ सामान्य शिक्षा, नौकरी पर प्रशिक्षण, और परियोजना कार्य सभी पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं।

•पाठ्यक्रम एक क्रेडिट प्रणाली पर आधारित हैं, जिसमें पाठ्यक्रम के 70% से अधिक के लिए व्यावहारिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण लेखांकन है।

•मुख्य संदेश है - निर्माण करते समय सीखें और सीखते समय उत्पादन करें।

उद्योग के प्रतिनिधियों को यह सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) में आमंत्रित किया जाता है।

कार्यक्रम के स्नातक स्थानीय और राष्ट्रीय उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के अलावा वैश्विक कार्यबल का हिस्सा बनने के लिए सुसज्जित हैं। बी. वोक (इंटीरियर डिजाइन) में प्रवेश के लिए पात्रता किसी भी स्ट्रीम में 10+2 या समकक्ष है। कार्यक्रम में प्रवेश योग्यता परीक्षा में प्राप्त योग्यता के आधार पर होता है, जो कार्यक्रम के लिए उम्मीदवार की क्षमता का मूल्यांकन करता है।

मुंबई विश्वविद्यालय के तत्वावधान में कार्यक्रम की पेशकश करने वाले संस्थानों ने हाल ही में अपने स्नातकों के लिए दीक्षांत समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम से स्नातक करने वाले छात्रों ने दीक्षांत समारोह के दौरान डिग्री प्रमाण पत्र प्राप्त करने और पेशे की चुनौतियों का सामना करने के लिए व्यापक रूप से तैयार होने पर आभार व्यक्त किया।

स्नातकों ने उद्योग के दौरों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत के अनुभव के साथ-साथ अपने अंतिम सेमेस्टर में इंटर्नशिप की अवधि के लिए उनके द्वारा प्राप्त किए गए विश्वास के लिए धन्यवाद दिया। अधिक जानकारी के लिए उम्मीदवार मुंबई विश्वविद्यालय की वेबसाइट या tsapmumbai.in पर लॉग इन कर सकते हैं।

महुआ और आर्यन की जंजीरों से बांधकर जबरदस्ती शादी, दंगल के शो नथ में आर्यन के पिता के रूप में शाहबाज खान की एंट्री

बहुत जल्द 200 एपीसोड कम्प्लीट करने जा रहे दंगल टीवी के पॉपुलर शो नथ ज़ेवर या ज़ंजीर में आर्यन और झेलम की शादी होने वाली थी मगर अम्माँ जी ने जबरदस्ती जंजीरों में जकड़ कर आर्यन की शादी महुआ से करवा दी है। इस तरह शो में अब एक और बड़ा ड्रामा और ट्विस्ट दर्शक देख पाएंगे। साथ ही शो में आर्यन के माता पिता की एंट्री हुई है। आर्यन के पिता के रोल में बॉलीवुड के मशहूर एक्टर शाहबाज खान दिखेंगे।

इस धमाकेदार सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान आर्यन ने बताया कि आज के सीक्वेंस में अम्माँ जी द्वारा जंजीरों में बांधकर जबर्दस्ती महुआ के साथ मेरी शादी करवाई जा रही है। अब यह देखना होगा कि आगे क्या होता है। अब आर्यन महुआ पति पत्नी भी हैं। झेलम के साथ काफी गलत हुआ है। आर्यन बोलकर गया था कि तुम शादी के लिए तैयार रहो मैं आ रहा हूँ। आर्यन अब भी झेलम से प्यार करता है पर सिचुएशन ऐसी हो गई है कि महुआ के साथ मेरी जबरदस्ती शादी करवा दी गई है। अम्माँ जी दबंगई कर रही हैं और हम सब हेल्पलेस महसूस कर रहे हैं। वहीं हमारे शो में मेरी मम्मी पापा की एंट्री हुई है मैं खुश हूं कि अब सीरियल में हम एक नया लेयर जोड़ रहे हैं जो बेहद रोचक होगा।

अविनाश मिश्रा ने बताया कि जंजीरों में बांधकर शूट करने में, चलने में रियल और रील दोनों में दिक्कत हो रही है। मम्मी पापा के आने से घर मे गोली चल रही है और ऐसी हालत में हमारी रस्में हो रही हैं। ऑडियंस के लिए यह सीक्वेंस विजुअल ट्रीट होगा।

आर्यन ने आगे बताया कि मैं खुश हूं कि जब 200 एपिसोड पूरे हो रहे हैं, तब मैं इस शो का हिस्सा हूँ मैं चाहता हूँ कि 2000 एपिसोड पूरे करें।

महुआ ने कहा कि जंजीरों में जकड़ कर मेरी शादी आर्यन के साथ करवा दी गई है अब देखना दिलचस्प होगा कि आगे क्या होता है। यह शादी हम निभा पाते हैं या नहीं, अब क्या करेगी महुआ? मुझे जंजीरों से ज्यादा अपने लहंगे से परेशानी हो रही है, क्योंकि इस सीन में मेरा लहंगा काफी हेवी है।

महुआ ने आगे बताया कि दर्शकों के बेपनाह प्यार की वजह से हमारे शो नथ के 200 एपिसोड बहुत जल्द पूरे होने वाले हैं, सभी दर्शकों का दिल से शुक्रिया।

बूंदी ने बताया कि मुझे बहुत मजा रहा है क्योंकि आज पहली बार मेरे बिना रायता शो में फैला है। हालांकि मुझे अच्छा भी नहीं लग रहा है कि महुआ की जिंदगी फिर सेटल हो रही है।

बूंदी ने आगे कहा कि फैन्स से कहूँगी कि इसी तरह आप शो को प्यार देते रहिए, इसमे रोज़ नए नए झगड़े और रायते देखने को मिलेंगे।

शो में आर्यन की माँ का रोल रोमा नवानी कर रही हैं। वह ठकुराईन बनी हैं जो काफी स्ट्रांग कैरेक्टर है।

वहीं नई एंट्री शाहबाज खान ने बताया कि दंगल टीवी के साथ मैं पहली बार काम कर रहा हूँ। यह शो नथ ज़ेवर या जंजीर दर्शकों का मनपसंद सीरियल है। आर्यन के पिता के रूप में मेरी शो में एंट्री हुई है। मेरा ट्रैक और मेरा किरदार दर्शकों को ज्यादा मनोरंजन देगा, कैसे मैं अपने बेटे को बचाने के लिए आता हूँ।

शो में प्रतिमा, चाहत पाण्डेय,अविनाश मिश्रा सहित कई अच्छे कलाकार हैं इन सबके साथ काम करके मजे आया। यंगस्टर्स के साथ काम करके हम जैसे सीनियर कलाकार को काफी एनर्जी मिलती है।

बता दें कि शो नथ ज़ेवर या ज़ंजीर में चाहत पाण्डे, अविनाश मिश्रा, अनुराग शर्मा , वैभवी कपूर, प्रतिमा कनन , रवि गोसाई , अंजना सिंह, रश्मि गुप्ता, रिया भट्टाचार्जी, ममता सोलंकी सहित कई कलाकार हैं। दंगल टीवी पर नथ ज़ेवर या जंजीर हर सोमवार से शनिवार रात 8 बजे प्रसारित किया जाता है।

30/3/22 के दिन "गुरु वंदना मंच" ओर "राष्ट्र वंदन मंच" ने मिलकर, अहमदाबाद मे "The Kashmir Files" फिल्म को देखा। गुजरात राज्य के 200 से ज्यादा साधु, संत महात्मा, महामंडलेश्वर ओर कथावाचक उपस्थित रहे। गुरू वंदना मंच के सभी साधु संतोने फिल्म देखकर फिल्म डायरेक्टर श्री विवेक रंजन अग्निहोत्री की हिम्मत को नमन किया ओर सभी हिन्दुओ को जागृत होने का मिडिया के माध्यम से संदेश भी दीया। कश्मीर मे पंडीतो, हिंदुओं के साथ जो हुआ है वो देखकर बहोत दुख के साथ सरकार को भी बताया की कश्मीर पहेले हिंदुओं का था, आज है ओर भविष्य मे रहेगा इसीलिए सरकार कश्मीर पंडितो की वापसी करवाये ओर भारतमे जो लोग त्रासवाद बढा रहे है उनको खत्म किया जाये। इस फिल्म को देखने के लिए राष्ट्र वंदना मंच के अध्यक्ष निवृत IPS आदरणीय श्री डीजी वनजारा साहब भी उपस्थित रहे उन्होनेभी देश मे धर्म सत्ता होनी चाहीये ओर भारत को हिन्दु राष्ट्र घोषित किये जाने की बात कही।

यूपीए किसी की जागीर नहीं, शरद पवार भीष्म पितामह, संजय राउत ने इशारों में कांग्रेस को सुना दिया?

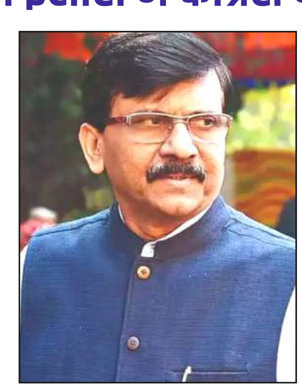

मुंबई: देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके विजय रथ को रोकने के लिए बीते कई सालों से तीसरा मोर्चा बनाने की कोशिशें शुरू हैं। लेकिन आपसी मतभेद, राजनीतिक नफा नुकसान के चलते आज तक यह संभव नहीं हो पाया है। फिलहाल यूपीए(UPA) के अध्यक्ष पद को लेकर भी घमासान मचा हुआ है। एक तरफ जहां एनसीपी(NCP) यूथ विंग के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने दिल्ली में हुए पार्टी के सम्मेलन में शरद पवार(Sharad Pawar) को यूपीए का अध्यक्ष बनाए जाने की मांग की है। उन्होंने इस बाबत प्रस्ताव हुई पारित किया है।

यह प्रस्ताव खुद शरद पवार की मौजूदगी में मंजूर किया गया है। हालांकि की यूथ विंग के इस वक्तव्य और प्रस्ताव की वजह से कांग्रेस(Congress) के नेताओं में नाराजगी देखने को मिल रही है। दूसरी तरफ शिवसेना(Shivsena) के सांसद संजय राउत(Sanjay Raut) ने भी इस मुद्दे पर कांग्रेस की खिंचाई की है। उन्होंने कहा कि शरद पवार राजनीति के भीष्म पितामह हैं, इस विषय में, मैं उद्धव ठाकरे(Uddhav Thackeray) से चर्चा करूंगा। यूपीए किसी की जागीर नहीं है।

UPA किसी की जागीर नहीं

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी यूपीए के संबंध में संदर्भ में बोलते हुए संजय राउत ने कहा कि कांग्रेस का नेतृत्व किसे करना है। यह उनकी पार्टी का विषय है लेकिन कांग्रेस को यूपीए के लिए प्रयास करना चाहिए। यूपीए की निजी प्रॉपर्टी नहीं है। बीजेपी के विरोध में ममता बनर्जी प्रयास कर रही हैं, केजरीवाल कोशिश कर रहे हैं। लेकिन कांग्रेस की तरफ से कोई भी जिम्मेदारी नजर नहीं आ रही है।

देश में तानाशाही ला रही है बीजेपी

प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी से नाराज नाना पटोले ने कहा कि यह एक तरह का अघोषित आपातकाल है। इसका विरोध निश्चित तौर पर किया जाएगा। बीजेपी देश में तानाशाही लाने की कोशिशों में जुटी है। बीजेपी और मोदी के खिलाफ आवाज उठाने वालों पर ईडी की रेड डाली जा रही है। हम भी केंद्रीय जांच एजेंसियों के खिलाफ रणनीति बनाएंगे। रेड डलवाकर बीजेपी भले ही अपनी पीठ थपथपा रही हो लेकिन लोकतंत्र में जनता ही सबसे बड़ी होती है। यह बीजेपी को समझना होगा, अब जनता ही उन्हें सबक सिखाएगी।

पालघर में पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मार डाला, पुलिस ने किया चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई: मुंबई के पालघर में हत्या का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस ने दावा कि एक महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी। दरअसल मनोर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के दहिसर-सफाले रोड स्थित डूंगीपाडा इलाके से 24 मार्च को पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया था। पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर जांच कर रही थी। इस हत्याकांड की गुत्थी पालघर क्राइम ब्रांच ने सुलझा ली है। मामले में मृतक की पत्नी सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार हत्या का मामला दर्ज कर जांच की जा रही थी। मृतक की पहचान दिनेश पांचाल (42) खोपट, ठाणे निवासी के रूप में हुई थी। पालघर क्राइम ब्रांच को मृतक की पत्नी से पूछताछ के दौरान उस पर शक हुआ, जिसके बाद कड़ी पूछताछ में उसने अपना गुनाह कबूल किया। क्राइम ब्रांच के अनुसार मृतक की पत्नी का मुख्य आरोपी से अनैतिक संबंध थे, इसलिए उक्त वारदात को अंजाम दिया गया।

हत्या का झाड़ियों में फेंका था शव पुलिस ने बताया कि 24 मार्च को दिनेश जब काम से घर लौटा तो उसकी पत्नी, पत्नी का प्रेमी और दो आरोपी उसे जबरन कार से गुजरात की ओर ले गए। रास्ते में आरोपियों ने दिनेश की गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को झाड़ियों में फेंक दिया।उधर, अर्नाला पुलिस स्टेशन क्षेत्र के एसटीपाडा इलाके में 16 मार्च की रात एक पति ने पत्नी की हत्या कर दी थी। वारदात के बाद वह अपने दोनों बेटियों को लेकर उत्तरप्रदेश भाग गया था। पुलिस ने उसे यूपी से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार अर्नाला के एसटीपाडा निवासी निरजला (25) अपने पति इंद्रेश कुमार (27) और दो बेटियों के साथ रहती थी। 16 मार्च की रात 8 बजे इंद्रेश काम से घर लौटा, तो उसने पत्नी के पास नया मोबाइल देखा।

मोबाइल चोरी होने पर मिसिंग कंप्लेंट नहीं, FIR दर्ज होगी, मुंबई सीपी संजय पांडेय का नया फरमान

मुंबई: मुंबई सीपी संजय पांडेय ने एक आदेश जारी किया है कि अबसे मोबाइल गायब होने या चोरी होने- दोनों स्थितियों में पुलिस स्टेशनों को एफआईआर दर्ज करनी पड़ेगी। एफआईआर(FIR) दर्ज नहीं करने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ आईपीसी के सेक्शन 168-A के तहत ऐक्शन लिया जाएगा। अब तक पुलिस मोबाइल से जुड़े अधिकांश केसों में मिसिंग रिपोर्ट दर्ज करती थी और शिकायतकर्ता को वह पकड़ा देती थी। सवाल यह है कि पुलिस ऐसा क्यों करती थी? मिसिंग रिपोर्ट और एफआईआर में क्या फर्क होता है। एनबीटी ने अलग-अलग अधिकारियों से बात कर पूरी प्रक्रिया को समझने की कोशिश की। एक अधिकारी ने बताया कि मिसिंग रिपोर्ट में पुलिस के लिए जांच करना जरूरी नहीं होता है। यदि किसी का मोबाइल गायब या चोरी हो गया, तो शिकायतकर्ता को सबसे पहले उस मोबाइल नंबर के लिए नया सिम लेना जरूरी होता है। इसके लिए मोबाइल कंपनी सामने वाले से पुलिस में शिकायत की रिपोर्ट मांगती है। शिकायतकर्ता पुलिस से मिली मिसिंग रिपोर्ट की पावती को दे देता है। सामने वाले को नया सिम मिल जाता है, लेकिन पुलिस को इसके बाद आगे जांच करना जरूरी नहीं होता। इस अधिकारी के अनुसार, मोबाइल चोरी करने के बाद अमूमन आरोपी मोबाइल लेकर किसी दूसरे राज्य में भाग जाता है और वहां उसे बेच देता है। ज्यादातर मोबाइल 15 हजार रुपये से कम कीमत के होते हैं। पुलिस वाले 15 हजार रुपये के लिए दूसरे राज्य जाना पसंद नहीं करते। पुलिस उस मोबाइल की जब्ती के लिए तब तक गंभीर नहीं होती, जब तक कि उस मोबाइल का किसी संगीन अपराध या आतंकवादी गतिविधि में प्रयोग नहीं होता। इसीलिए पुलिस 99 प्रतिशत मामलों में मोबाइल चोरी या गायब होने का इन्वेस्टिगेशन नहीं करती। मुंबई पुलिस कमिश्नर के नए आदेश के बाद अब सभी पुलिस स्टेशनों को एफआईआर भी दर्ज करनी पड़ेगी और उसका इन्वेस्टिगेशन भी करना पड़ेगा। एक बार जब एफआईआर दर्ज हो जाती है, तो पुलिस को अपनी जांच रिपोर्ट कोर्ट में पेश करनी जरूरी होती है।

व्यावहारिक दिक्कतें क्या हैं?

मुंबई पुलिस कमिश्नर ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि पुलिस स्टेशनों में मिसिंग का कोई रजिस्टर नहीं होगा। सिर्फ मोबाइल नहीं, सभी मिसिंग प्रॉपर्टी में एफआईआर दर्ज करनी होगी। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, व्यावहारिक रूप से यह संभव ही नहीं है। इस अधिकारी का कहना है कि कई बार किसी का ड्राइविंग लाइसेंस गायब हो गया या आरसी बुक कहीं छूट गई, या राशन कार्ड नहीं मिल रहा, तो यहां तो बिल्कुल साफ है कि इनकी कोई चोरी नहीं कर सकता। यह सब गायब हुई हैं। नई प्रक्रिया के लिए पुलिस में शिकायत करना और उसकी रिपोर्ट को संबंधित विभाग में देना जरूरी होता है। अगर इस तरह के मामलों में भी पुलिस एफआईआर दर्ज कर उनका इनवेस्टिगेश करती रहेगी, तो उस पर अनावश्यक रूप से काम का लोड बढ़ जाएगा और जो बड़े केस हैं, उनकी जांच पर इनका असर पड़ेगा। इस अधिकारी के अनुसार, कोरोना की वजह से वैसे भी मुंबई पुलिस में दो साल से भर्तियां नहीं हुई हैं और इस दौरान रिटायर बहुत से पुलिस वाले हुए हैं। मुंबई पुलिस में इन दिनों मंजूर संख्या से करीब आठ हजार फोर्स कम हैं।

70 की स्पीड, दिन के 150 फेरे, मुंबईकरों को मिली मेट्रो 7 और 2A की सौगात

> ➢ सुबह 6 बजे पहली और रात 9.35 बजे होगी लास्ट मेट्रो
> ➢ 20 किमी रूट पर रोजाना होंगी 150 फेरी

मुंबई: वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे और एसवी रोड से सफर करने वाले यात्रियों का सफर शनिवार शाम से आरामदायक होने वाला है। इस रूट पर लोकल ट्रेन, बस, ऑटो और टैक्सी से सफर करने वालों के पास मेट्रो के रूप में नया विकल्प मौजूद होगा। यात्रियों की सेवा के लिए हर 11 मिनट के अंतर पर मेट्रो सेवा उपलब्ध रहेगी। मेट्रो 7 और मेट्रो 2ए कॉरिडोर के आरे से डहाणूकरवाडी

स्टेशन के बीच रोजाना मेट्रो की 150 फेरियां होंगी। एमएमआरडीए कमिश्नर एस.वी.आर श्रीनिवास के मुताबिक, डहाणूकरवाडी से पहली ट्रेन सुबह 6 बजे और आरे से पहली ट्रेन सुबह 6.30 बजे रवाना होगी। डहाणूकरवाडी से रात में अंतिम ट्रेन करीब 9 बजे छूटेगी, वहीं आरे से रात में लास्ट मेट्रो करीब 9.35 बजे छूटेगी।

कुछ दिनों बाद सेवा के समय में विस्तार किया जाएगा। मेक इन इंडिया के तहत देश में बनी 11 मेट्रो मुंबई पहुंच चुकी हैं। इनमें से 10 ट्रेन का इस्तेमाल यात्रियों की सेवा के लिए किया जाएगा, जबकि एक ट्रेन इमरजेंसी के लिए रखी जाएगी।

दुर्घटना रोकने का इंतजाम

दशकों से मुंबई में चल रही लोकल ट्रेन में रोजाना दुर्घटना के मामले सामने आते रहते हैं। ट्रेन में चढ़ते या उतरते वक्त ट्रेन के नीचे गिरने की वजह से कई यात्रियों को अपनी जान भी गंवानी पड़ती है। मेट्रो यात्रियों को दुर्घटना से सुरक्षित रखने के लिए मेट्रो प्लैटफॉर्म पर प्लैटफॉर्म स्क्रीन डोर लगाए गए हैं। मेट्रो के प्लैटफॉर्म पर रुकने के बाद ही प्लैटफॉर्म स्क्रीन डोर के दरवाजे खुलेंगे। दिव्यांग यात्रियों की राह आसान बनाने के लिए हर स्टेशन पर अलग मार्ग और वील चेयर का इंतजाम किया गया है। प्राथमिक उपचार की सुविधा भी हर स्टेशन पर मौजूद रहेगी।

दो महिला स्पेशल कोच

महिला यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हर ट्रेन में दो कोच महिला यात्रियों के लिए आरक्षित होंगे। मेट्रो के पहले और अंतिम कोच महिला स्पेशल होंगे। मेट्रो को हाईटेक बनाने के लिए एमएमआरडीए ने बगैर ड्राइवर के चलने वाली ट्रेन का निर्माण करवाया है। एमएमआरडीए कमिश्नर के मुताबिक, इस रूट पर दौड़ने वाले मेट्रो कोच विश्व के सबसे आधुनिक कोच में से एक हैं। देश में बगैर ड्राइवर के ट्रेन नहीं चलती हैं। इस वजह से बगैर ड्राइवर के ट्रेन चलाने से यात्री घबरा सकते हैं। यात्रियों के इस भय को देखते हुए दो से तीन महीने तक ड्राइवर के साथ ट्रेन चलाई जाएगी। इसके बाद ट्रेन को पूरी तरह से तकनीक की मदद से दौड़ाया जाएगा।बता दें कि सीआरएस ने मेट्रो 7 और मेट्रो 2ए कॉरिडोर के केवल 20.73 किमी पर सेवा शुरू करने की अनुमति दी है। इसके तहत मेट्रो 7 के 10 स्टेशन और मेट्रो 2ए के 9 स्टेशनों के बीच मेट्रो दौड़ेगी।

PUBLIC NOTICE

I, DHARMARAJA KRISHNA, RESIDENT OF 1104-A,GREEN PARK, RAHEJA ESTATE, KULLUP WADI, BORIVILI EAST,MUMBAI 400 066, WOULD LIKE TO INFORM THE PUBLIC THAT I HAVE LOST FOLLOWING SHARE CERTIFICATE ISSUED BY THE RESPECTIVE PUBLIC LIMITED COMPANY, DURING THE TRANSIT. THE FOLLOWING ARE THE DETAILS.

CAMLIN FINE SCIENCE LTD.
CERTIFICATE NO.428/FOLIO NO.D00264
HAVING DISTINCTIVE NO.93153431-93155430

PUBLIC NOTICE

I, DHARMARAJA KRISHNA, RESIDENT OF 1104-A,GREEN PARK, RAHEJA ESTATE, KULLUP WADI, BORIVILI EAST,MUMBAI 400 066, WOULD LIKE TO INFORM THE PUBLIC THAT I HAVE LOST FOLLOWING SHARE CERTIFICATE ISSUED BY THE RESPECTIVE PUBLIC LIMITED COMPANY, DURING THE TRANSIT. THE FOLLOWING ARE THE DETAILS.

KOKUYO CAMLIN LTD.
CERTIFICATE NO.508/FOLIO NO.-D00264
HAVING DISTINCTIVE NO.FROM 57476101 - 57478100

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।